हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 29, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 27 जुलाई, 2023 दिन गुरुवार | गाजीपुर/वाराणसी

कारगिल विजय दिवस : पूरी दुनिया ने किया था भारत की सैन्य ताकत का अहसास : योगी

नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे तो 2047 तक दुनिया की बड़ी ताकत होगा भारत

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कारगिल युद्ध विषम परिस्थितियों में लड़ा गया था। मई 1999 में प्रारंभ हुआ यह युद्ध 26 जुलाई को औपचारिक कारगिल विजय दिवस के रूप में घोषित कर घुसपैठिए पाकिस्तानी सैनिकों को भारत की धरती से खदेड़ने में हमें सफलता प्राप्त हुई थी। वैश्विक मंच पर दुनिया ने एक बार फिर से भारत की सैन्य ताकत का अहसास किया था।

1999 में कारगिल, इसके पूर्व के सभी युद्धों व इसके उपरांत भी सीमाओं की रक्षा करने वाले भारत मां के वीर सपूतों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवार के सदस्यों का अभिनंदन करता हूं, जो परिवार के सदस्यों को खोने के बाद भी मातृभूमि के प्रति बिना डिगे, बिना झुके इसे निरंतर बढ़ा रहे हैं।

मुख्यमंत्री बुधवार को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। सीएम ने कारगिल में शहीद हुए योद्धाओं की प्रतिमा के सम्मुख पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। साथ ही पूरे प्रदेशवासियों को कारगिल विजय दिवस की बधाई दी।

नए भारत में हर नागरिक को सुरक्षा की गारंटी है– सीएम ने कहा कि आज नए भारत में हम पीएम मोदी के नेतृत्व में कार्य कर रहे हैं। यह नया भारत, जिसमें हर नागरिक को सुरक्षा की गारंटी है। जिस भारत में आतंकवाद, नक्सलवाद व घुसपैठ की जगह नहीं है। हर व्यक्ति को समान रूप से जीवन जीने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। देश के विकास के लिए न केवल केंद्र व राज्य सरकारें, बल्कि प्रत्येक नागरिक अपने स्तर पर कार्य करते हुए लोक कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से उन सभी तबके तक पहुंच रहे हैं, जो आजादी के बाद उपेक्षित थे।

हमारे लिए अविस्मरणीय व राष्ट्र के लिए अभिनंदनीय है इन सपूतों का बलिदान– सीएम ने कहा कि देश की आंतरिक व वाह्य सुरक्षा के लिए भारत मां के सपूतों का बलिदान अमूल्य है। हम सभी के लिए अविस्मरणीय व राष्ट्र के लिए अभिनंदनीय है, लेकिन प्रदेश सरकार ने उनके परिजनों के प्रति सम्मान का भाव प्रकट करते हुए देश या आंतरिक सुरक्षा में शहीद होने वालों के परिजनों को 50 लाख रुपये व एक सदस्य को उप्र शासन में सेवा का अवसर देने व उनके नाम पर कोई संस्था, मार्ग का नामकरण की व्यवस्था छह वर्ष में लागू की है।

सीएम ने बताया कि कैप्टन मनोज पांडेय के नाम पर देश के पहले सैनिक स्कूल का नामकरण किया गया। मेजर आदित्य मिश्रा, मेजर रितेश शर्मा, लांस नायक केवलानंद द्विवेदी, लांस नायक सुनील जंग के परिवार वालों का अभिनंदन करता हूं। सीएम ने कहा कि यदि हम नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए अपने-अपने क्षेत्रों में कार्य करते हैं तो भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप 2047 में दुनिया की बड़ी ताकत के रूप में स्थापित होगा। इस दौरान प्रदेश सरकार के वित्त व संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, नगर विकास व ऊर्जा मंत्री एके शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक नीरज बोरा, योगेश शुक्ल, जय देवी, अमरेश कुमार, एमएलसी मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, अवनीश सिंह आदि मौजूद रहे।

हिंडन की बाढ़ ने मचाई तबाहीः लगातार बढ़ रहा नदी का जलस्तर, बेघर हुए हजारों लोग

नोएडा। हिंडन नदी में बाढ़ का प्रकोप जारी है। जल स्तर कम नहीं हो रहा है। पानी लगातार मकानों में घुस रहा है। अब तक 10 हजार से अधिक मकानों को खाली कराया जा चुका है। हजारों लोग प्रशासन के आश्रय स्थलों में है। जबकि कई लोग अपने रिश्तेदारों के यहां चले गए हैं। वहीं, सेक्टर-143 के पास पुराना सुथ्याना के डूब क्षेत्र में बने एक अवैध पार्किंग स्थल में खड़ी गाड़ियां भी डूब गई है। उधर, बारिश ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। मंगलवार को गाजियाबाद बैराज पर हिंडन नदी का जल स्तर डाउनस्ट्रीम 201.10 मीटर रहा। जबकि सोमवार को जल स्तर 201.15 मीटर था। ऐसे में जल स्तर स्थिर है। हालांकि बहाव में कमी आई है। मंगलवार को बहाव 27191 क्यूसेक रहा। हिंडन में लगातार पानी आने से डूब क्षेत्र में रहने वाले लोगों की मुसीबत बढ़ रही है। छिजारसी से लेकर मोमनाथल गांव तक डूब एरिया जलमग्न हो गया है। सुथ्याना गांव के डूब क्षेत्र के घरों में भी पानी घुस गया है। कुलेसरा, सुथ्याना में सैकड़ों मकानों में पानी भर गया है। सबसे अधिक चोटपुर गांव का डूब क्षेत्र प्रभावित है। वहां पर पांच आश्रय स्थल बनाए गए है। बाढ़ प्रभावित गांवों के 3420 लोगों प्रशासन के आश्रय स्थलों पर रह रहे हैं। प्रशासन आश्रय स्थलों पर खाना और पानी उपलब्ध करा रहा है।

शिमला के रामपुर में 2 बार फटा बादल, कई मकान बहे बगीचों को नुकसान, भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

रामपुर बुशहर। शिमला जिले के रामपुर उपमंडल की सरपारा पंचायत के कंधार गांव में देर रात दो बार बादल फटने से सेब के बगीचों और मकानों को नुकसान पहुंचा है। कई मकान बह गए हैं। मकानों में पानी घुस गया है। जिससे लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, रामपुर उपमंडल की सरपारा पंचायत के कंधार गांव में देर रात दो बार बादल फटने से सेब के बगीचों और मकानों को नुकसान पहुंचा है। बाढ़ आने से प्राथमिक पाठशाला का भवन, युवक मंडल का भवन और अन्य लोगों के मकान बह गए हैं।

इसके अलावा बाढ़ में गाय, बैल, भेड़-बकरियां भी बह गईं। वहीं कई सेब के बगीचों में पानी भर गया है। जानकारी के अनुसार, देर रात अचानक 11 बजे बादल फटा और लोगों ने भाग कर अपनी जान बचाई लेकिन मकानों और बगीचों को काफी नुकसान हुआ है। इसके बाद फिर तीन बजे बादल फटने से आई बाढ़ ने तबाही मचा कर रख दी। सरपारा पंचायत के प्रधान मोहन कपाटिया ने बताया कि सरपारा पंचायत के कंधार गांव में बादल फटा है। उन्होंने कहा कि सरपारा गांव का सपर्क देश-दुनिया से कट गया है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मौके पर जाकर स्थिति की जायजा लेने के बाद प्रभावितों को तुरंत राहत दी जाए। इससे पहले, हिमाचल प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में सोमवार रात से जारी भारी बारिश ने तबाही मचाई है। कुल्लू जिले की गड़सा घाटी में मंगलवार तड़के 4:00 बजे बादल फटने से पंचा नाले और हुरला नाले में बाढ़ आ गई। इससे तीन मकान बह गए, जबकि दो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। 17 मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। तीन पैदल और एक वाहन योग्य पुल भी बह गए हैं। एक गाड़ी भी गड़सा खड्ड में बह गई। कुछ मवेशी लापता हैं। भुंतर-गड़सा मनियार मार्ग कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने बुधवार और वीरवार के लिए भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। शुक्रवार को येलो अलर्ट है। प्रदेश में 31 जुलाई तक मौसम खराब बने रहने के आसार हैं। मंगलवार को राजधानी शिमला में मौसम साफ रहा। वहीं, सोमवार रात को धर्मशाला में 80.2, पालमपुर 50.6 और जोगिंद्रनगर में 26.0 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। राज्य में अभी भी 500 से अधिक सड़कें ठप पड़ी हैं। सैकड़ों जलापूर्ति योजनाएं व बिजली ट्रांसफार्मर भी बाधित हैं।

कुल्लू में अभी भी एचआरटीसी की 28 बसें फंसी हैं 200 से अधिक रूट प्रभावित चल रहे हैं। चंबा, कांगड़ा, सिरमौर, शिमला, बिलासपुर, हमीरपुर, कुल्लू, मंडी व किन्नौर जिले में अगले 24 घंटों के लिए बाढ़ का अलर्ट जारी किया गया है। लोगों को नदी-नालों के किनारे न जाने की हिदायत दी गई है। भारी बारिश के अलर्ट को देखते हुए रामपुर बुशहर, जुब्बल, कोटखाई, रोहड़ू, चौपाल और ठियोग उपमंडल के तहत आने वाले सभी सरकारी व निजी स्कूल 28 जुलाई तक बंद रखने का फैसला लिया गया है। वहीं, सीबीएसई व आईसीएसई से संबद्ध स्कूल विद्यार्थियों व स्टाफ की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपने स्तर पर फैसला ले सकते हैं।

डोभाल ने चीन पर साधा निशाना, कहा- आतंकवादियों पर प्रतिबंध लगाने के लिए ब्रिक्स मिलकर कर सकता है काम

जोहांसबर्ग। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने मंगलवार को चीन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स समूह संयुक्त राष्ट्र की आतंकवादी विरोधी प्रतिबंध व्यवस्था के तहत आतंकवादियों और उनके प्रतिनिधियों को सूचीबद्ध करने में मिलकर काम सकता है। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रक्रिया को राजनीति और दोहरे मानकों से दूर रखा जाना चाहिए। डोभाल ने यह टिप्पणी दक्षिण अफ्रीका के जोहांसबर्ग में ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक के दौरान कही। बैठक में चीन के विदेश मंत्री वांग यी भी शामिल हुए थे। बता दें, राष्ट्रपति शी जिनपिंग के करीबी कहे जाने वाले वांग यी को मंगलवार को ही चीन का विदेश मंत्री नियुक्त किया गया है। चीन और पाकिस्तान के बीच संबंध काफी अच्छे हैं। इनकी दोस्ती किसी भी देश से नहीं छिपी है। इस वजह से चीन आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई में भी अड़ंगा लगाता है। चीन के कम्युनिस्ट नेतृत्व ने लश्कर-ए-तैयबा और पाकिस्तान में पनाह लेने वाले दूसरे आतंकी संगठनों और उनके आकाओं को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित करने के संयुक्त राष्ट्र के कदम को बार-बार रोका है। डोभाल ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद विरोधी प्रतिबंध व्यवस्था के आतंकियों और उनके प्रतिनिधियों को सूचीबद्ध करना एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें ब्रिक्स देश मिलकर काम कर सकते हैं। बिना किसी देश का नाम लिए हुए उन्होंने कहा कि ये महत्वपूर्ण है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रतिबंध कमेटी का निर्णय राजनीति और दोहरे मानकों से मुक्त हो। ब्रिक्स समूह में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। 13वीं ब्रिक्स एनएसए बैठक में डोभाल ने कहा कि आतंकवाद राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए प्रमुख खतरों में से एक है। उन्होंने साथ ही इस बात भी जोर दिया कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान में आतंकवादी संगठन बेखौफ होकर काम कर रहे हैं।

पीएम मोदी को पहली बार इतने करीब से देखा, सम्मान पाकर मिली खुशी', प्रधानमंत्री से सम्मानित होने पर बोले श्रमिक

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने आज प्रगति मैदान के पुनर्विकसित आईटीपीओ कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन कर दिया है। प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली के नए आईटीपीओ परिसर में हवन और पूजा के बाद श्रमजीवियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने श्रमजीवियों को सम्मानित भी किया। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद श्रमजीवी भी खुश दिखाई दिए। उन्होंने बताया कि पहले हमने पीएम मोदी को दूर से देखा था, लेकिन आज उनसे साक्षात मुलाकात हुई है। पीएम मोदी ने हमें शॉल दिया। श्रमजीवी ने कहा कि हमने हर मौसम, तापमान और यहां तक कि कोविड के दौरान भी आईटीपीओ परिसर बनाने में बहुत मेहनत की है। वहीं, एक अन्य श्रमजीवी ने बताया कि हमें बहुत खुशी है कि पीएम मोदी हमसे मिले और हमें सम्मानित किया। हमने बहुत मेहनत की और आज हमारी सारी मेहनत रंग लाई है। बता दें कि आईटीपीओ कॉम्प्लेक्स में सितंबर में जी20 नेताओं की बैठक की मेजबानी होनी है। ये कॉम्पलेक्स लगभग 123 एकड़ में फैला हुआ है। यह परिसर बैठकों, सम्मेलनों और प्रदर्शनियों के आयोजन के

लिए भारत का सबसे बड़ा स्थल है। सम्मेलन केंद्र के लेवल-3 पर 7,000 लोगों के बैठने की क्षमता है, जो इसे ऑस्ट्रेलिया के ऐतिहासिक सिडनी ओपेरा हाउस से अधिक बड़ा बनाता है, यहां तकरीबन 5,500 लोगों के बैठने की व्यवस्था है।

'पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव में लोकतंत्र की शर्मनाक तस्वीरें सामने आई', भाजपा का ममता सरकार पर हमला

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव में हुए हिंसा पर भाजपा ने बुधवार को ममता सरकार पर निशाना साधा। भाजपा के पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ नेत रविशंकर प्रसाद ने कहा कि पश्चिम बंगाल में हर चुनाव में हिंसा होती है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल से लोकतंत्र से शर्मनाक तस्वीरें सामने आई। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के दौरान हमें शर्मनाक लोकतंत्र का एक घिनौना चेहरा सामने आया। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत के स्तर पर चुनाव हमेशा महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि ये हमारे संविधान के अनुसार भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनावों के पहले स्तर के होते हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल में इन चुनावों के दौरान जिस तरह से हिंसा और खून-खराबा हुआ, वह बेहद शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोगों को चुनाव लड़ने से रोका गया। उन्होंने कहा कि पहले तो नामांकन नहीं करने दिया गया। अगर नामांकन हो भी जाए, तो राज्य सरकार प्रचार-प्रसार में बाधा उत्पन्न करती है। इसी तरह जीते हुए पत्याशी को भी परेशान किया जा रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनाव के बाद हुई हिंसा को लेकर एक फैक्ट फाइडिंग कमेटी बनाई थी और मुझे संयोजक बनाया था। तीन दिन हमने बंगाल का दौरा किया। करीब 2,000 किमी तक हम गए और देखा। आज हमने अध्यक्ष को अपनी रिपोर्ट सबमिट की है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि बंगाल में भाजपा की एक आदिवासी उम्मीदवार के साथ दुष्कर्म किया गया और उसके कपड़े फाड़े गए। आज सुबह खबर आई कि 13 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किया गया। उन्होंने सीएम ममता बनर्जी से पूछा, 'ममता जी आप तो महिला नेत्री हैं, आपने पश्चिम बंगाल को क्या बना दिया है।'

गठबंधन से घबरा रही भाजपा, 2024 में वापस जाएगी, नहीं चाहती इंडिया जीते : अखिलेश

मेरठ। सपा के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव आज मेरठ पहुंचे हैं। वह राली चौहान और धनपुर गांव भी जाएंगे। पहले उनका सिर्फ सरूरपुर के पांचली बुजुर्ग में सपा पदयात्री फुरकान के घर जाने का कार्यक्रम था। मंगलवार दोपहर नया कार्यक्रम जारी किया गया, जिसमें यह बदलाव किया गया है। वह सबसे पहले पांचाली बुजुर्ग पहुंचे। इसके बाद राली चौहान और फिर धनपुर जाएंगे। राली चौहान में हाईटेंशन लाइन से जान गंवाने वाले 6 कांवड़ियों के परिजनों और धनपुर में सड़क दुर्घटना से जान गंवाने वाले छह लोगों के परिजनों से मुलाकात करेंगे। तीनों जगह 30-30 मिनट का कार्यक्रम है। पांचली में निकाह के कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि गठबंधन के नाम से भाजपा घबरा गई है। कौन नहीं चाहता कि इंडिया जीते। सब चाहते हैं कि इंडिया जीते। केवल भाजपा और आरएसएस नहीं चाहता कि इंडिया जीते। 2014 में आए थे 2024 में वापस जाएगी भाजपा। पहले उनका कार्यक्रम 20 जुलाई का पांचली बुजुर्ग का कार्यक्रम था, जहां उन्हें फुरकान की बहन के शादी समारोह में शामिल होना था। विपक्ष के नए गठबंधन इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इन्क्लूसिव एलायंस (इंडिया) बनने के बाद पहली बार अखिलेश यादव मेरठ आए हैं। जिलाध्यक्ष विपिन चौधरी ने बताया कि राली चौहान और धनपुर गांव में सपाइयों की अलग-अलग ड्यूटी लगाई गई है।

'आपकी कथनी और करनी में अंतर', अमित शाह के पत्र का खरगे ने दिया जवाब, बोले- हर कीमत चुकाएंगे

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान मणिपुर मुद्दे को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में हंगामा जारी है। इस बीच कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। इस पत्र के माध्यम से उन्होंने केंद्र सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। मल्लिकार्जुन खरगे ने लिखा कि आपका लेटर मिला, जो तथ्यों के विपरित है। आपको ध्यान होगा कि मणिपुर में 3 मई के बाद की स्थिति पर I.N.D.I.A घटक दलों की लगातार मांग रही है कि पीएम मोदी सदन के पटल पर पहले अपना बयान दें, जिसके बाद दोनों सदनों में इस विषय पर विस्तृत बहस और चर्चा की जाए। जिस तरह की गंभीर स्थिति पिछले 84 दिनों से मणिपुर में चल रही है और जिस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं। हम सभी राजनीतिक दलों से यह अपेक्षित है कि हम वहां पर तत्काल शांति बहाली के लिए तथा जनता को संदेश देने के लिए देश के सर्वोच्च सदन में कम से कम इतना तो करेंगे। आपको पत्र में व्यक्त भावनाओं की कथनी और करनी में जमीन-आसमान का अंतर हैं। सरकार का रवैया आपके पत्र के भाव के विपरित सदन में संवेदनशील और मनमाना रहा है। यह रवैया नहीं बल्कि पिछले कई सत्रों में भी विपक्ष को देखने को मिला है। छोटी घटनाओं को तिल का ताड़ बनाकर सदस्यों को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है। अपने पत्र में लिखा

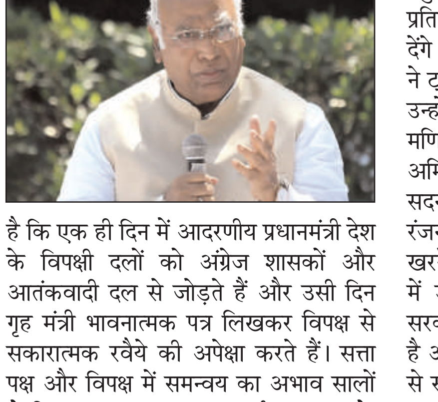

है कि एक ही दिन में आदरणीय प्रधानमंत्री देश के विपक्षी दलों को अंग्रेज शासकों और आतंकवादी दल से जोड़ते हैं और उसी दिन गृह मंत्री भावनात्मक पत्र लिखकर विपक्ष से सकारात्मक रवैये की अपेक्षा करते हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष में समन्वय का अभाव सालों से दिख रहा था, अब यह खाई सत्ता पक्ष के अंदर भी दिखने लगी है। खरगे ने पत्र के माध्यम से पीएम मोदी की टिप्पणी की निंदा की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा विपक्षी दलों को दिशाहीन बताना बेतुका ही नहीं बल्कि दुर्भाग्यपूर्ण भी है। पीएम मोदी से हम सदन में आकर मणिपुर पर बयान देने का आग्रह कर रहे हैं, परंतु ऐसा लगता है कि उनका ऐसा करना उनके सम्मान को ठेस पहुंचाता है। हमारी इस देश की जनता के प्रति प्रतिबद्धता है और हम इसके लिए हर कीमत देंगे। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी थी कि उन्होंने दोनों सदनों के विपक्षी नेताओं को मणिपुर मुद्दे पर चर्चा के लिए पत्र लिखा है। अमित शाह ने बताया कि आज मैंने दोनों सदनों के विपक्षी नेताओं, लोकसभा के अधीर रंजन चौधरी और राज्यसभा के मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर मणिपुर मुद्दे की चर्चा में उनके अमूल्य सहयोग की अपील की। सरकार मणिपुर के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है और पार्टी लाइन से ऊपर उठकर सभी दलों से सहयोग चाहती है। मुझे उम्मीद है कि सभी दल इस महत्वपूर्ण मुद्दे को हल करने में सहयोग करेंगे।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, भारत 400 किमी श्रेणी की स्वदेशी मिसाइल वायु रक्षा प्रणाली कर रहा विकसित

नई दिल्ली। भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। इसी कड़ी में भारत स्वदेशी रूप से तीन-स्तरीय लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एलआरएसएएम) रक्षा प्रणाली विकसित कर रहा है, जो करीब 400 किलोमीटर की दूरी तक दुश्मन के विमानों और मिसाइलों को मार गिराने में सक्षम होगा। रक्षा सूत्रों ने बताया कि तीन-स्तरीय लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली विकसित करने का प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय में एडवांस स्टेज में है और जल्द ही इसे मंजूरी मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की यह परियोजना भारत को ऐसी सेनाओं के एक विशिष्ट समूह का हिस्सा बनने में मदद करेगी जो 400 किलोमीटर की दूरी से हवा में दुश्मन की संपत्ति को मार गिराने की स्वदेशी क्षमताओं से लैस होगी। मिसाइल प्रणाली में सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की तीन परतें होंगी, जो इसे विभिन्न दूरी पर लक्ष्य को भेदने में सक्षम होंगी। सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली का विकास कार्य ऐसे समय में हो रहा है जब भारत ने मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली एमआरएसएएम (टफ्रअट) विकसित करने के लिए इस्राइल के साथ काम कर रही है, जो 70 से अधिक किलोमीटर तक हवाई लक्ष्य पर हमला कर सकती है। सूत्रों ने कहा कि भारतीय प्रणाली बहुत सक्षम होगी और निश्चित रूप से रूस से पहले ही हासिल की गई एस-400 वायु रक्षा प्रणाली की श्रेणी में होगी और चीन और पाकिस्तान सीमा पर तैनात की जाएगी। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने जमीन-आधारित और युद्धपोत-आधारित दोनों प्रणालियों के लिए वायु रक्षा हथियार विकसित करने के मामले में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।

संपादकीय

उम्मीद की पाठशाला

कुछ साल पहले तक सैनिक स्कूलों में पढ़ाई करना लड़कियों के लिए बस सपना भर था। लेकिन जब से सैनिक स्कूलों में लड़कियों के दाखिले की व्यवस्था शुरू की गई, उसके बाद बदलती तस्वीर ने फिर यही दशार्या है कि अगर महिलाओं को अवसर मिले तो वे हर मोर्चे पर अपनी काबिलियत साबित कर सकती हैं। सैनिक स्कूलों में अब लड़कियों ने खासी संख्या में दाखिला लेना शुरू कर दिया है और एक तरह से इसे मुख्य रूप से पुरुषों की धारा में महिलाओं के एक और ठोस हस्तक्षेप के तौर पर देखा जा सकता है। दरअसल, सरकार ने एक सवाल के जवाब में सोमवार को राज्यसभा में यह जानकारी दी कि देश में तैंतीस सैनिक स्कूलों में बारह सौ निन्यानबे छात्राएं पढ़ रही हैं। इसके अलावा, विभिन्न संस्थानों की साझेदारी में खुले सैनिक स्कूलों में तीन सौ तीन अन्य छात्राएं भी पढ़ाई कर रही हैं। जिस दौर में विभिन्न कारणों से सामान्य स्कूलों में लड़कियों के बीच में पढ़ाई छोड़ने के मामले समाज और सरकार के लिए चिंता का कारण बन रहे हैं, उसमें सैनिक स्कूलों में छात्राओं की बढ़ती संख्या को निश्चित रूप से एक सकारात्मक दिशा की ओर बढ़ते कदम के रूप में देखा जा सकता है। गौरतलब है कि कुछ साल पहले सरकार ने एक प्रायोगिक परियोजना के तहत सैनिक स्कूलों में लड़कियों के प्रवेश को मंजूरी दी थी, तब इसे लैंगिक समानता और महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने की ओर एक ठोस पहलकदमी माना गया था। दरअसल, सैन्य क्षेत्र में महिलाओं के आगे बढ़ने को लेकर समाज में कई स्तर पर पूर्वाग्रह कायम रहे हैं और इसका असर भी सेना में बेहतर भविष्य का सपना देखने वाली लड़कियों पर पड़ता रहा है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कुछ वर्ष पहले तक महिलाओं को सेना में स्थायी कमीशन को लेकर कई स्तर पर अड़चनें मौजूद रहीं। लेकिन समय के साथ सेना में महिलाओं की उपस्थिति और उनकी काबिलियत एक जरूरत के तौर पर उभरी। इस क्षेत्र में काम करने के अमूमन हर मोर्चे पर महिलाओं ने अपनी क्षमता साबित की और उन्हें जो जगह मिल सकी, उसे उन्होंने अधिकार के तौर पर लिया। सैनिक स्कूलों में भी लड़कियों के दाखिले को लेकर अगर एक आग्रह बना हुआ था, तो उसका कोई ठोस आधार नहीं था। यह इससे भी साबित हुआ कि पिछले कुछ सालों में ही सैनिक स्कूलों में भारी तादाद में लड़कियों ने दाखिला लिया और अब यह संख्या सोलह सौ से ज्यादा पहुंच गई है। दरअसल, लोकतंत्र में सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने के सूत्र पर काम करने वाली सरकार को यह ध्यान रखना पड़ता है कि समाज का कौन-सा हिस्सा किसी क्षेत्र में मुख्यधारा से वंचित है और किसे किस तरीके से सशक्त बनाया जा सकता है। इस लिहाज से देखें तो हर क्षेत्र में विकास के बीच आज भी महिला सशक्तीकरण और इसके जरिए लैंगिक समानता कायम करना वक्त का तकाजा है। खासतौर पर उन क्षेत्रों में महिलाओं की गैर-मौजूदगी या फिर बेहद कम संख्या को लेकर चिंता जताई जाती रही है, जिन्हें आमतौर पर केवल पुरुषों के लिए अनुकूल बताया जाता रहा है। जबकि सच यह है कि पुरुषों के लिए सहज माने जाने वाले हर क्षेत्र में जब महिलाओं को भी अवसर मिले, तब दायित्वों के सभी स्तर पर बेहतर नतीजे ही सामने आए। सैनिक स्कूलों में लड़कियों के दाखिले की शुरूआत करने के पीछे भी महिला सशक्तीकरण का उद्देश्य ही काम कर रहा था। इन स्कूलों में बढ़ती संख्या से यही पता चलता है कि इस ओर बढ़े कदमों के नतीजे सकारात्मक आए हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि इन स्कूलों से पढ़ाई करके निकलने वाली लड़कियां देश के बेहतर भविष्य में अपना योगदान दे पाएंगी।

अतिवृष्टि-अनावृष्टि!

है कहीं पर बारिश ।
कहीं तरसते लोग ।।
गिर जाए कुछ जल ।
हो सही उपयोग ।।
सूख रही भी धरती ।
है भी जलजमाव ।।
प्रकृति की यह माया ।
जगह जगह प्रभाव ।।
असंतुलन है छाया ।
अपनी हैं जरुरतें ।
सबका अलग राग ।।
भले कहे कुछ भी ।
मौसम का विभाग ।।
अतिवृष्टि- अनावृष्टि ।
चलते साथ साथ ।।
ना कर सकता कोई इनको ।
कभी भी अनाथ ।।

-कृष्णेन्द्र राय

सत्यम शिवम सुन्दरम् को हृदयंगम करने का महीना है सावन

साहित्यिक सर्जनाओं और रचनाओं की दृष्टि से समृद्ध सावन का महीना हरियाली से लबालब लबरेज आम जनजीवन में अपरम्पार खुशियां लाने वाला महीना माना जाता है। भारतीय चलचित्र जगत में बहारों के मौसम के रूप में बहुचर्चित सावन में मौसम मनभावन और सुहावना रहता है और हर हृदय उल्लासित , उमंगित , तरंगित और हर्षित रहता हैं । लोक जीवन में प्रेम , माधुर्य, मान मनौव्वल , मनुहार और मिलन-जुलन का परिवेश रहता है। गीत-संगीत और साहित्य के लिए उर्वर मास सावन अपनेपन का एहसास लेकर आता है। बिछड़े साथियों और और रोजी-रोटी के चक्कर में दूर-दराज रह रहे अपनों के आने की महक लेकर आता है सावन । सज धजकर गृहणियां नौकरी शुदा गृहस्वामियों का बेसब्री से इंतजार करती नजर आती है। रिमझिम बारिश से सराबोर बहुरंगी मौसम और उसके फलस्वरूप उत्पन्न हर्ष , उल्लास और आनंद में डूबते- तैरते सम्पूर्ण लोक-जीवन के लोकरंग और सांस्कृतिक हलचलों पर साहित्यकार बरबस लेखनी चलाने को विवश हो जाते हैं। बहुरंगी मनभावन सुहावन सावन पर साहित्यिक रचनाओं की भरमार है । ऋतुराज बसंत के बाद सावन का महीना मनुष्य सहित सम्पूर्ण प्राणी जगत को आह्लादित करने वाला महीना माना जाता है। भारत की महान और विशाल साहित्यिक परम्परा में बंसत के उपरांत सावन के सुहाने मौसम पर ही साहित्यिक सर्जनाएं पाई जाती हैं।

हमारी पांच हजार साल पुरानी महान सनातन संस्कृति और पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सावन को लोकमंगल और लोक कल्याण के देवता देवाधीदेव भगवान शिव का महीना माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के इसी महीने में समुंद्र मंथन हुआ था । समुंद्र मंथन में चौदह रत्नों के साथ विष भी निकला था । इस विष अर्थात हलाहल को जटाधारी भगवान शिव गटागट पी गए थे । इसलिए इस महीने में ब्रह्मांड में व्याप्त का हर तरह के विष को अपने गलकंठ में धारण करने वाले नीलकंठ भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए लोग भजन-कीर्तन, आरती , पूजा वंदना, आराधना , जलाभिषेक , रुद्राभिषेक , यज्ञ और लम्बी-लम्बी कॉवड यात्राएं करते हैं। सावन के पवित्र पावन महीने में समस्त द्वादश ज्योतिलिंर्गों सहित सम्पूर्ण शिव मन्दिरों की

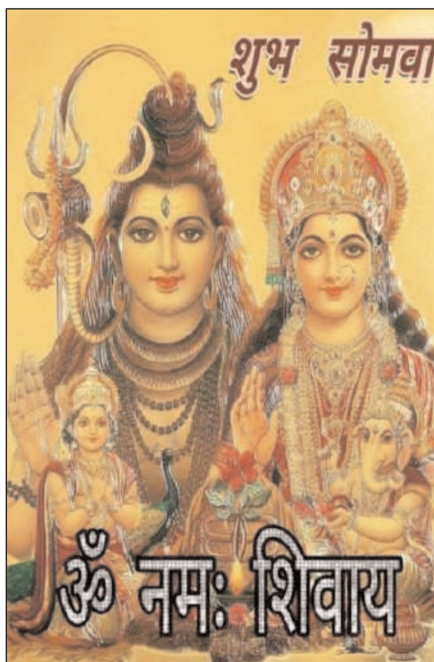

सजावट , भव्यता और दिव्यता अपनी पराकाष्ठा पर पहुंच जाती हैं।

भारतीय जीवन दर्शन और भारतीय जीवन-चरित्र के सारतत्व को समाहित किये हुए "सत्यम् शिवम् सुन्दरम् " के उपनिषदीय उद्घोष पर हम उतना चिंतन मनन और ध्यान नहीं देते हैं। भारतीय जीवन दर्शन में सत्य को ईश्वर के ससमतुल्य बताया गया है। अधिकांश भारतीय दार्शनिक एवम आध्यात्मिक परम्पराओं में यह बताया गया है कि- जब मनुष्य का हृदय प्रेममय हो जाता हैं और सत्य के ज्ञान से अभिसिंचींत होने लगता है तो उसके हृदय में ईश्वरीय सत्ता निवास करने लगती हैं। सत्य के ज्ञान से ही सद्बुद्धि और सर्वोच्च विवेक का जागरण होने लगता है। भारतीय दार्शनिक मान्यताओं का अनुसरण करते हुए महात्मा गाँधी ने भी कहा था कि- "ईश्वर ही सत्य है और सत्य ही ईश्वर है "और सत्य का साक्षात्कार होते ही हृदय प्रेममय हो जाता है। जब बसुन्धरा पर सत्य का साम्राज्य प्रवर्तित होने लगता है तो समाज का स्वरूप कल्याणकारी अर्थात शिवम् के रूप-रंग में ढलने लगता है। शाश्वत सत्य के ज्ञान में ही समाज के कल्याण और सुन्दर स्वरुप का शिल्प अंतर्निहित हैं। सत्यम् शिवम् सुन्दरम् का सूक्ष्मता से अवलोकन किया जाए तथा इसके निहितार्थ को समझने का प्रयास किया जाए तो यह स्पष्ट परिलक्षित होता है कि- जब सत्य सुन्दर होता और सुन्दर सत्य होता हैं तभी मध्यवर्ती शब्द शिवम् फलितार्थ होता हैं। हमारी तात्विक मीमांसाओं में सत्य और असत्य के मध्य बहुत झीना अंतर बताया गया है अर्थात सत्य और असत्य को विभाजित करने वाली रेखा बहुत संकीर्ण होती हैं। कभी-कभी असत्य सत्य से लाभकारी और मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण होता है जैसे एक कसाई किसी गाय का पीछा करते हुए जा रहा है और मार्ग में बैठे पथिक से गाय के जाने का मार्ग पूंछता है और प्रतिउत्तर में पथिक उचित मार्ग न बताकर कसाई को दिग्भ्रमित कर देता है तो निश्चित रूप से पथिक अपने अहिंसा धर्म का पालन करता है। अगर वह सत्य बचन का पालन करता तो निश्चित ही हिंसा का प्रतिभागी होता। निष्कर्षतः सत्य जब सबसे सर्वश्रेष्ठ सौन्दर्य तथा सौन्दर्यबोध से श्रृंगारित होता हैं तथा सौन्दर्य शाश्वत सत्य से पल्लवित पुष्पित और कुसुमित होता हैं तभी शिवम् का प्रकटीकरण होता है। कभी-कभी सत्य का प्रयोग हिंसक, अशिष्ट और अभद्र आचरण और व्यवहार का द्योतक होता हैं। जैसे अंधे लंगड़े और अपाहिज व्यक्ति का उपहास उडाते हुए उसे अंधा,लंगड़ा या अपाहिज कहकर संबोधित किया जाए। इस स्थिति में सत्य का प्रयोग तो किया जा रहा है परन्तु इसका स्वरूप निश्चित रूप से अभद्र,अशिष्ट और हिंसक हैं। भारतीय दार्शनिक मान्यताओं में मन बचन और कर्म से हिंसा पूरी तरह वर्जित हैं। इसलिए जब सत्य सुन्दर होगा और सुन्दर सत्य होगा तभी लोगों के जन-जीवन में शिवम् अर्थात कल्याण का वास्तविक वातावरण आच्छादित होगा।

मनोज कुमार सिंह प्रवक्ता
लेखक/ साहित्यकार/ उप सम्पादक कर्मश्री मासिक पत्रिका।

सेना में मान बढ़ा रहे हैं झुंझुनू के जवान

राजस्थान में शेखावाटी क्षेत्र के झुंझुनू जिले के अमर सपूतों की इस वीर भूमि के रणबांकुरों ने जहां स्वतंत्रता पूर्व के आन्दोलनो में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया था वहीं स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सेना द्वारा लड़ी गयी लड़ाइयों में भी इस धरती की माटी में जन्मे वीरों ने समय-समय पर अपना पराक्रम दिखाया हैं। वीरों की इस धरती ने सदियों से जन्म लेते रहे सपूतों के दिलों में देशभक्ति की भावना को प्रवाहित किया हैं। देश रक्षा के लिये सेना में शहादत देना राजस्थान की परम्परा रही है। यहां के गांवों में लोकदेवताओं की तरह पूजे जाने वाले शहीदों के स्मारक इस परम्परा के प्रतीक हैं। झुंझुनू जिले में प्रारम्भ से ही सेना में भर्ती होने की परम्परा रही हैं तथा यहां के गांवों में घर-घर में सैनिक होता था। सेना के प्रति यहां के लगाव के कारण अंग्रेजो ने यहां एक सैनिक छावनी की स्थापना कर ह्यशेखावाटी ब्रिगेड ह्यका गठन किया था। जिले के वीर जवानो को उनके शौर्यपूर्ण कारनामों के लिये समय-समय पर भारत सरकार द्वारा विभिन्न अलंकरणों से नवाजा जाता रहा हैं। अब तक इस जिले के कुल 120 सैनिकों को वीरता पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। जो पूरे देश में किसी एक जिले के सर्वाधिक हैं। इस जिले के वीरों ने बहादुरी का जो इतिहास रचा है उसी का परिणाम है कि भारतीय सैन्य बल में उच्च पदों पर सम्पूर्ण राजस्थान की ओर से झुंझुनू जिले का ही वर्चस्व रहा है। वास्तव में यहां की धरती को यह वरदान सा प्राप्त होना प्रतित होता हैं कि इस पर राष्ट्रभक्ति के कीर्तिमान

स्थापित करने वाले लाडेसर ही जन्म लेते हैं। चाहे 1948 का पाकिस्तानी कबायली हमला हो या 1962 में चीन से युद्व हो या 1965 व 1971 का भारत-पाक युद्ध। यहां के वीरों ने मातृभमि की रक्षा हेतू सदैव अपना जीवन बलिदान किया हैं। सेना के तीनो अंगो की आन की रक्षा के लिये यहां के नौजवान सैनिकों के उत्सर्ग को राष्ट्र कभी भुला नही सकता हैं। इस क्षेत्र के सैनिकों ने भारतीय सेना में रहकर विभिन्न युद्धो में बहादुरी एवं शौर्य की बदौलत जो वीरता पदक प्राप्त कियें हैं वे किसी भी एक जिले के लिये प्रतिष्ठा एवं गौरव का विषय हो सकता हैं। सीमा युद्ध के अलावा जिले के बहादुर सैनिकों ने देश मे आंतरिक शान्ति स्थापित करने में भी सदैव विशेष भूमिका निभाई हैं। सीमा संघर्ष एवं नागा होस्टीलीटीज हो या आद्दपरेशन ब्लूस्टार या श्रीलंका सरकार की मदद हेतु किये गये आपरेशन पवन अथवा कश्मीर में चलाया गया आतंकवादी अभियान रक्षक या कारगिल युद्व। सभी अभियान में यहां के सैनिको ने शहादत देकर जिले का मान बढ़ाया हैं। भारतीय सेना में योगदान के लिये झुंझुनू जिले का देश में अव्वल नम्बर हैं। वर्तमान में इस जिले के 45 हजार जवान सेना में कार्यरत हैं। वहीं जिले में करीबन 62 हजार भूतपूर्व सैनिक व अर्द्वसैनिक बलों के जवान हैं। आजादी के बाद भारतीय सेना की और से राष्ट्र की सीमा की रक्षा करते हुये यहां के 457 जवान शहीद हो चुके हैं। जो पूरे देश में किसी एक जिले से सर्वाधिक है। कारगिल युद्व के दौरान पूरे देश में 527 जवान शहीद हुये थे जिनमें यहां के 22 सैनिक शहीद हुये थे जो पूरे देश में किसी एक जिले से शहादत देने वालों में सर्वाधिक जवान थे। झुंझुनू जिले से अब तक 457 से अधिक सैनिक जवान सीमा पर शहीद हो चुके हैं।

यहां के जवानो ने सेना के सर्वोच्च पदों तक पहुंच कर अपनी प्रतीभा का प्रदर्शन किया है। इस जिले के चित्तोसा गांव के एडमिरल विजय सिंह शेखावत भारतीय नो सेना के अध्यक्ष रह चुकें हैं वहीं स्व. कुन्दन सिंह शेखावत थल सेना में लेफ्टिनेन्ट जनरल व भारत सरकार के रक्षा सचिव रह चुके हैं। जे.पी.नेहरा, सत्यपाल कटेवा सेना में लेफ्टिनेन्ट जनरल पद से सेवानिवृत हुये हैं। इसके अलावा यहां के काफी लोग सेना में ब्रिगेडियर, कर्नल,मेजर सहित अन्य महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत है। देश में झुंझुनू एकमात्र ऐसा जिला हैं जहां सैनिक छावनी नहीं होने के उपरान्त भी गत पचास वर्षो से अधिक समय से सेना भर्ती कार्यालय कार्यरत है। जिससे यहां के काफी युवकों को सेना में भर्ती होने का मौका मिल पाता है। यहां के हवलदार मेजर पीरूसिंह शेखावत को 1948 के युद्व में वीरता के लिये देश का सर्वोच्च सैनिक सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित किया जा चुका है। परमवीर चक्र पाने वाले पीरूसिंह शेखावत देश के दूसरे व राजस्थान के पहले सैनिक थे। यहां के सैनिकों ने द्वितीय विश्व युद्व में भी बढ़चढ़ कर भाग लिया था। आज भी यहां द्वितीय विश्व युद्व के पूर्व सैनिकों की विधवाओं को सरकार से पेंशन मिल रही है। जिले में इतने अधिक लोगों का सेना से जुड़ाव होने के उपरान्त भी सरकार द्वारा सैनिक परिवारों की बेहतरी व सुविधा उपलब्ध करवाने के लिये बहुत कुछ किया जाना अभी बाकी है। कारगिल युद्व के समय सरकार द्वारा घोषित पैकेज में यह बात भी शामिल थी कि हर शहीद के नाम पर उनके गांव में किसी स्कूल का नामकरण किया जायेगा मगर जिले के ऐसे कई शहीदों के नाम पर अब तक सरकार ने स्कूलों का नामकरण कई नहीं किया है।

पीयू में 28 को लगेगा रोजगार मेला

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य के निर्देशन में विश्वविद्यालय के सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल ने प्लेसमेंट के लिए नई पहल शुरू की है। इसके लिए विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में 28 जुलाई को जॉब फेयर का आयोजन किया जा रहा है। पिछले कई महीनों से सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार विभिन्न विभागों के छात्रों की कमेटी बनाकर तैयारियों में लगे हुए हैं। इस संबंध में कंपनियों से कैसे रूबरू हो विद्यार्थी इसका प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद बायोडाटा में क्या- क्या चीजें होनी चाहिए? साथ ही साक्षात्कार में पूछे गए सवालों के जवाब उन्होंने दिया। इस रोजगार मेले में बाइजूस, टोशा इंटरनेशनल, ड्यूरा टफ ग्लास प्राइवेट लिमिटेड, बटरफ्लाई लर्निंग, एल ड्राइव लैब्स सहित कई कंपनियां छात्रों को रोजगार देने के लिए आ रही हैं।

राष्ट्रभक्ति का मजाक : सत्ता की स्पर्धा.... देश का रक्षक कौन...?

आज देश के सामने सबसे अहम यही सवाल है कि आज राष्ट्र सेवा और राष्ट्रभक्ति का दम भरने वाला हर राजनेता और उसका राजनीतिक दल सिर्फ और सिर्फ सत्ता प्राप्ति के लिए ही संघर्ष कर रहा है और देश व देशवासियों की रक्षा सुरक्षा की किसी को भी कोई चिंता नहीं है, जो सत्ता से बाहर है वह सत्तासीनों को सत्ता के सिंहासन से उतारने के प्रयास में जुटा है और जो सत्ता में है वह अपनी सत्ता की उम्रदराजी के प्रयासों में जुटा है, ऐसे में देशवासी अपनी समस्याएं लेकर कहां व किसके पास जाएं? चुनाव के समय राजनीतिक दलों द्वारा जारी किए जा रहे वादों के पुलिंदे याने घोषणा पत्रों का सत्ता प्राप्ति के बाद 20% भाग भी पूरा नहीं हो पाता और नए चुनाव में नए वादों का अंबार लग जाता है। राजनीति के पाठ्यक्रम से देशसेवा का तो पाठ ही हटा दिया गया है।

आज की सबसे बड़ी चिंता देश की रक्षा सुरक्षा है, जिसकी चिंता राजनेताओं को नहीं देश की आम जनता को है, देश किस दिशा में जा रहा है या ले जाया जा रहा है? इस प्रश्न पर विचार करने की आज किसी को कोई फुर्सत ही नहीं है। इसका ताजा उदाहरण हमारे देश का पूर्वोत्तर भाग है, जहां न सिर्फ हिंसा और आतंक व्याप्त है, बल्कि अब तो यह भाग धीरे-धीरे खाली होता जा रहा है, क्योंकि यहां भी जनता ने अपनी सरक्षा के भय से व्यापक स्तर पर पलायन जो शुरू कर दिया है? और हमारी मौजूदा सरकार अपने कान और आंख दोनों बंद करके बैठी है, विदेशों में भारत की प्रशंसा के गीत गाए जा रहे हैं और यह गीत भारत में वास्तविकता से कितने दूर है, यह हर भारतवासी जानता है।

आज सच्चे राष्ट्र भक्तों की सबसे बड़ी चिंता ही यही है कि यह पूर्वोत्तर की आग कहां-कहां तक फैलेगी? और... कितने प्रदेश इससे झूलसेंगे? ...और यदि मणिपुर सही सलामत नहीं रहा तो क्या मिजोरम व अन्य पूर्व उत्तर प्रदेश सही सलामत रह पाएंगे? आखिर सरकार इस अहम मसले पर ध्यान क्यों नहीं दे रही है, क्या वह इस आंदोलन का विस्तार चाहती है या पूरे देश में यही माहौल बनाकर अपनी राजनीतिक लड़ाई जीतना चाहती है? आज यही अहम सवाल देश के हर राष्ट्रभक्त बुद्धिजीवी के दिल दिमाग में छाया हुआ है, जिसका उसे कहीं से भी सही जवाब नहीं मिल रहा है, आज मणिपुर के रहवासियों का मददगार कौन? जब सरकार ही अपने उत्तरदायित्व से पल्ला झाड़ रही है तो उनकी रक्षा कौन करेगा।

...और आखिर हमारे देश का आम नागरिक अपनी सुरक्षा की लड़ाई कब शुरू करेगा? वह किसकी राह देख रहा है? देश को आजाद हुए 75 साल हो गए क्या देश की जागरूकता के लिए यह अवधि कम है? यह सब बयान कर मेरा मतलब सशस्त्र क्रांति कतई नहीं है, किंतु देश के आम नागरिक को अब किसी और के भरोसे नहीं रहकर खुद के ही भरोसे रहना है, क्योंकि आज देश के कथित जनसेवको का ध्येय राजनीति और उसके माध्यम से सत्ता ही रह गया है, अब देश की जनता को स्वयं ही अपनी चिंता करना पड़ेगी तभी वह सुरक्षित रह पाएंगे? यदि अभी भी जनता नहीं जागी तो पूरे देश को मणिपुर बनने में अधिक समय नहीं लगेगा?

75 साल पहले हमने देश की आजादी व सुरक्षा के लिए लंबा संघर्ष किया और अब ऐसा लगता है देश की आम जनता को अपने स्वयं की सुरक्षा के लिए कथित अपनों से ही संघर्ष शुरू करना पड़ेगा?

27 वर्ष की उम्र में ही शांति की खोज में लग गये थे गौतम बुद्ध

बुध पूर्णिमा न केवल बौध धर्म के अनुयायियों के लिए बल्कि सम्पूर्ण मानव जाति के लिये एक महत्वपूर्ण दिन है। इस साल यह 30 अप्रैल को मनाया गया। बुध पूर्णिमा को बुद्ध जयंती और उनके निर्वाण दिवस के रूप में जाना जाता है। यानी यही वह दिन था जब बुद्ध ने जन्म लिया, शरीर का त्याग किया था और मोक्ष प्राप्त किया। भगवान बुद्ध को भगवान विष्णु का 9वां अवतार माना जाता है, इस दृष्टि से हिन्दू धर्मावलम्बियों के लिये भी उनका महत्व है।

बुद्ध संन्यासी बनने से पहले कपिलवस्तु के राजकुमार सिद्धार्थ थे। शांति की खोज में वे 27 वर्ष की उम्र में घर-परिवार, राजपाट आदि छोड़कर चले गए थे। भ्रमण करते हुए सिद्धार्थ काशी के समीप सारनाथ पहुंचे, जहाँ उन्होंने धर्म परिवर्तन किया। यहाँ उन्होंने बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचे कठोर तप किया। कठोर तपस्या के बाद सिद्धार्थ को बुद्धत्व ज्ञान की प्राप्ति हुई और वह महान संन्यासी गौतम बुद्ध के नाम से प्रचलित हुए और अपने ज्ञान से समूचे विश्व को ज्योतिर्मय किया। बुद्ध ने जब अपने युग की जनता को धार्मिक-सामाजिक, आध्यात्मिक एवं अन्य यज्ञादि अनुष्ठानों को लेकर अज्ञान में घिरा देखा, साधारण जनता को धर्म के नाम पर अज्ञान में पाया, नारी को अपमानित होते देखा, शुद्रों के प्रति अत्याचार होते देखे-तो उनका मन जनता की सहानुभूति में उद्वेलित हो उठा। वे महलों में बंद न रह सके। उन्होंने स्वयं प्रथम ज्ञान-प्राप्ति का व्रत लिया था और वर्षों तक वनों में घूम-घूम कर तपस्या करके आत्मा को ज्ञान से आलोकित किया। स्वयं ने सत्य की ज्योति प्राप्त की और फिर जनता में बुराइयों के खिलाफ आवाज बुलन्द किया। गौतम बुद्ध ने बौद्ध धर्म का प्रवर्तन किया और अत्यन्त कुशलता से बौद्ध भिक्षुओं को संगठित किया और लोकतांत्रिक रूप में उनमें एकता की भावना का विकास किया। इसका अहिंसा एवं करुणा का सिद्धांत इतना लुभावना था कि सम्राट अशोक ने दो वर्ष बाद इससे प्रभावित होकर बौद्ध मत को स्वीकार किया और युद्धों पर रोक लगा दी। इस प्रकार बौद्ध मत देश की सीमाएं लांघ कर विश्व के कोने-कोने तक अपनी ज्योति फैलाने लगा। आज भी इस धर्म की मानवतावादी, बुद्धिवादी और जनवादी परिकल्पनाओं को नकारा नहीं जा सकता और इनके माध्यम से भेद भावों से भरी व्यवस्था पर जोरदार प्रहार किया जा सकता है। यही धर्म आज भी दुःखी एवं अशान्त मानवता को शान्ति प्रदान कर सकता है। ऊँच-नीच, भेदभाव, जातिवाद पर प्रहार करते हुए यह लोगों के मन में धार्मिक एकता का विकास कर रहा है। विश्व शान्ति एवं परस्पर भाईचारे का वातावरण निर्मित करके कला, साहित्य और संस्कृति के विकास के मार्ग को प्रशस्त करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। वास्तव में देखा जाए तो राज-शासन और धर्म-शासन दोनों का ही मुख्य उद्देश्य जनता को सन्मार्ग पर ले जाना है। परन्तु राज-शासन के अधिनायक स्वयं मोहमाया ग्रस्त प्राणी होते हैं, अतः वे समाज सुधार के कार्य में पूर्णतया सफल नहीं हो पाते। भला, जो जिस चीज को अपने हृदयतल में से नहीं मिटा सकता, वह दूसरे हजारों हृदयों से उसे कैसे मिटा सकता है? राज-शासन की आधारशिला प्रेम, स्नेह एवं सद्भाव की भूमि पर नहीं रखी जाती है, वह रखी जाती है, प्रायः भय, आतंक और दमन की नींव पर। यही कारण है कि राज-शासन प्रजा में न्याय, नीति और शांति की रक्षा करता हुआ भी अधिक स्थायी व्यवस्था कायम नहीं कर सकता। जबकि धर्म-शासन परस्पर के प्रेम और सद्भाव पर कायम होता है, फलतः वह सत्य-पथ प्रदर्शन के द्वारा मूलतः समाज का हृदय परिवर्तन करता है और सब ओर से पापाचार को हटाकर स्थायी न्याय, नीति तथा शांति की स्थापना करता है। बुद्ध अन्ततोगत्वा इसी निर्णय पर पहुंचे कि भारत का यह दुःसाध्य रोग साधारण राजनीतिक हलचलों से दूर होने वाला नहीं है। इसके लिए तो सारा जीवन ही उत्सर्ग करना पड़ेगा, क्षुद्र परिवार का मोह छोड़ कर 'विश्व-परिवार' का आदर्श अपनाना होगा। राजकीय वेशभूषा से सुसज्जित होकर साधारण जनता में घुला-मिला नहीं जा सकता। वहां तक पहुंचने के लिए तो ऐच्छिक लघुत्व स्वीकार करना होगा, अर्थात् भिक्षुत्व स्वीकार करना होगा। संन्यासी बनकर गौतम बुद्ध ने अपने आप को आत्मा और परमात्मा के निरर्थक विवादों में फंसाने की अपेक्षा समाज कल्याण की ओर अधिक ध्यान दिया। उनके उपदेश अधिकतर सामाजिक एवं सांसारिक समस्याओं तक ही सीमित रहे। यही कारण है कि उनकी बात लोगों की समझ में सहज रूप से ही आने लगी। महात्मा बुद्ध ने मध्यममार्ग अपनाते हुए अहिंसा युक्त दस शीलों का प्रचार किया तो लोगों ने उनकी बातों से स्वयं को सहज ही जुड़ा हुआ पाया। उनका मानना था कि मनुष्य यदि अपनी तृष्णाओं पर विजय प्राप्त कर ले तो वह निर्वाण प्राप्त कर सकता है। इस प्रकार उन्होंने पुरोहितवाद पर करारा प्रहार किया और व्यक्ति के महत्त्व को प्रतिष्ठित किया। मानवता को बुद्ध की सबसे बड़ी देन है भेदभाव को समाप्त करना। यह एक विडम्बना ही है कि बुद्ध की इस धरती पर आज तक छूआछूत, भेदभाव किसी न किसी रूप में विद्यमान हैं। उस समय तो समाज छूआछूत के कारण अलग-अलग वर्गों में विभाजित था। बौद्ध धर्म ने सबको समान मान कर आपसी एकता की बात की तो बड़ी संख्या में लोग बौद्ध मत के अनुयायी बनने लगे। कुछ दशक पूर्व डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर ने भारी संख्या में अपने अनुयायियों के साथ बौद्ध मत को अंगीकार किया ताकि हिन्दू समाज में उन्हें बराबरी का स्थान प्राप्त हो सके। बौद्ध मत के समानता के सिद्धांत को व्यावहारिक रूप देना आज भी बहुत आवश्यक है। मूलतः बौद्ध मत हिन्दू धर्म के अनुरूप ही रहा और हिन्दू धर्म के भीतर ही रह कर महात्मा बुद्ध ने एक क्रान्तिकारी और सुधारवादी आन्दोलन चलाया। महात्मा बुद्ध सामाजिक क्रांति के शिखर पुरुष थे। उनका दर्शन अहिंसा और करुणा का ही दर्शन नहीं है बल्कि क्रांति का दर्शन है। उन्होंने केवल धर्म तीर्थ का ही प्रवर्तन नहीं किया बल्कि एक उन्नत और स्वस्थ समाज के लिए नये मूल्य-मानक गढ़े। उन्होंने प्रगतिशील विचारों को सही दिशा ही नहीं दी बल्कि उनमें आये ठहराव को तोड़कर नयी क्रांति का सूत्रपात किया। बुद्ध ने कहा- पुण्य करने में जल्दी करो, कहीं पाप पुण्य का विश्वास ही न खो दे। सामाजिक क्रांति के संदर्भ में उनका जो अवदान है, उसे उजागर करना वर्तमान युग की बड़ी अपेक्षा है। ऐसा करके ही हम एक स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकेंगे। बुद्ध ने समतामूलक समाज का उपदेश दिया। जहां राग, द्वेष होता है, वहां विषमता पनपती है। इस दृष्टि से सभी समस्याओं का उत्स है- राग और द्वेष। व्यक्ति अपने स्वार्थों का पोषण करने, अहं को प्रदर्शित करने, दूसरों को नीचा दिखाने, सत्ता और सम्पत्ति हथियाने के लिए विषमता के गलियारे में भटकता रहता है।

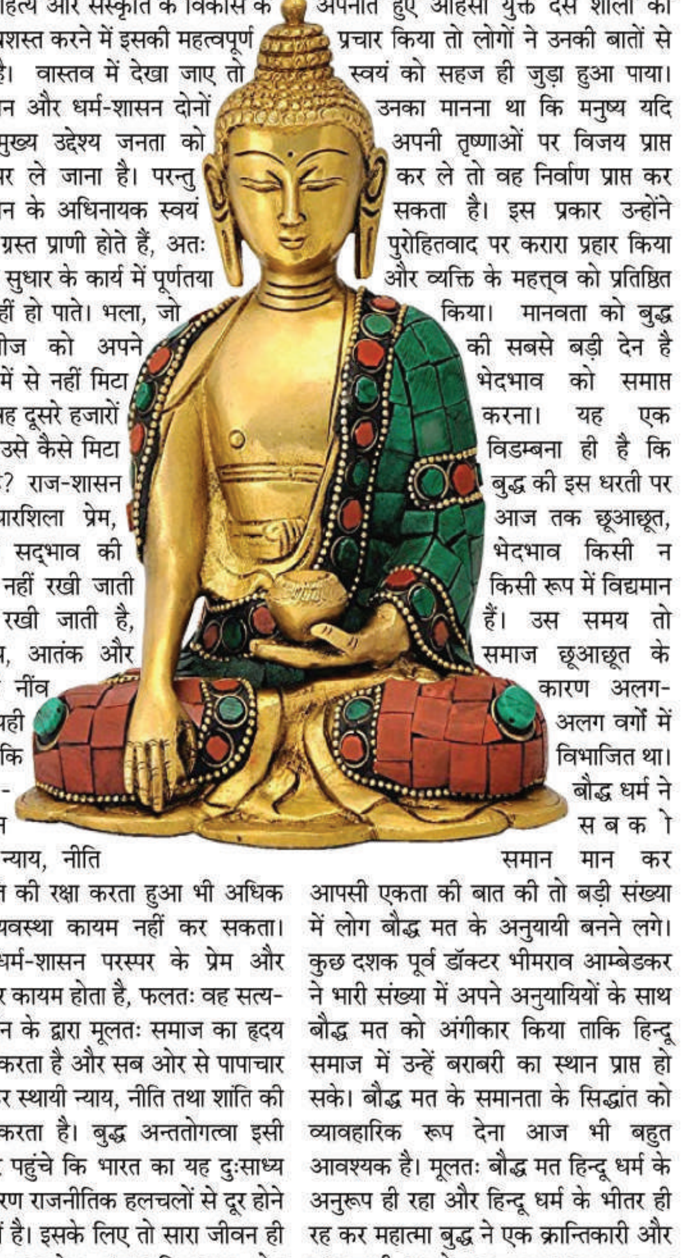

गौतम बुद्ध ने लगभग 40 वर्ष तक घूम घूम कर अपने सिद्धांतों का प्रचार प्रसार किया। वे उन शीर्ष महात्माओं में से थे जिन्होंने अपने ही जीवन में अपने सिद्धांतों का प्रसार तेजी से होता और अपने द्वारा लगाए गए पौधे को वटवृक्ष बन कर पल्लवित होते हुए स्वयं देखा। गौतम बुद्ध ने बहुत ही सहज वाणी और सरल भाषा में अपने विचार लोगों के सामने रखे। अपने धर्म प्रचार में उन्होंने समाज के सभी वर्गों, अमीर गरीब, ऊँच नीच तथा स्त्री-पुरुष को समानता के आधार पर सम्मिलित किया। बुद्ध ने जन-जन के बीच आने से पहले, अपने जीवन के अनुभवों को बांटने से पहले, कठोर तप करने से पहले, स्वयं को अकेला बनाया, खाली बनाया। तप तपा। जीवन का सच जाना। फिर उन्होंने कहा अपने भीतर कुछ भी ऐसा न आने दो जिससे भीतर का संसार प्रदूषित हो। न बुरा देखो, न बुरा सुनो, न बुरा कहो। यही खालीपन का संदेश सुख, शांति, समाधि का मार्ग है। उन्होंने अप्प दीपो भव- अपने दीपक स्वयं बनने की बात कही। क्योंकि दिन-रात संकल्पों-विकल्पों, सुख-दुख, हर्ष-विषाद से घिरे रहना, कल की चिंता में झुलसना, तनाव का भार ढोना, ऐसी स्थिति में भला मन कब कैसे खाली हो सकता है? कैसे संतुलित हो सकता है? कैसे समाधिस्थ हो सकता है? इन स्थितियों को पाने के लिए वर्तमान में जीने का अभ्यास जरूरी है। न अतीत की स्मृति और न भविष्य की चिंता। जो आज को जीना सीख लेता है, समझना चाहिए उसने मनुष्य जीवन की सार्थकता को पा लिया है और ऐसे मनुष्यों से बना समाज ही संतुलित हो सकता है, स्वस्थ हो सकता है, समतामूलक हो सकता है। जरूरत है उन्नत एवं संतुलित समाज निर्माण के लिए महात्मा बुद्ध के उपदेशों को जीवन में ढालने की। बुद्ध-सी गुणात्मकता को जन-जन में स्थापित करने की। ऐसा करके ही समाज को स्वस्थ बना सकेंगे।

पैरों को हेल्दी रखने के लिए अप्लाई करें फेसपैक्स

मानसून के मौसम में भीगना तो हर किसी को अच्छा लगता है, लेकिन मौसम में बदलाव अपने साथ कई तरह की परेशानियां लेकर आता है। खासतौर से, इस मौसम में स्किन की खूबसूरती को बरकरार रखने के लिए जरूरी है कि आप उसका अतिरिक्त ध्यान रखें। बारिश में भीगने से पैरों को सबसे ज्यादा नुकसान होता है। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसे पैक्स के बारे में बता रहे हैं, जिसे मानसून के मौसम में आप पैरों पर बेहद आसानी से अप्लाई कर सकते हैं-

मुल्तानी मिट्टी : मुल्तानी मिट्टी न सिर्फ स्किन को बेहतर बनाती है, बल्कि यह डेड स्किन सेल्स को भी आसानी से निकालती है। इसकी मदद से पैक बनाने के लिए मुल्तानी मिट्टी में नीम पाउडर और लैवेंडर का तेल मिक्स करके एक पेस्ट तैयार करें। अब आप इस पेस्ट को पैरों पर लगाकर आधे घंटे के लिए छोड़ दें। अब आप पानी की मदद से पैरों को साफ करें और अंत में जैतून के तेल से पैरों की मसाज करें।

नींबू का रस : नींबू पैरों पर मौजूद सभी कीटाणुओं को खत्म करने में कारगर है, इसलिए बारिश के मौसम में इसका इस्तेमाल काफी अच्छा माना जाता है। अगर बारिश के कारण आपके पैरों में खुजली हो रही हैं तो आप नींबू के रस में सिरका और ग्लिसरीन मिलाएं और अपने पैरों पर लगाएं। इससे आपको काफी राहत महसूस होगी।

हल्दी का पेस्ट : हल्दी में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुण होते हैं, जो आपके पैरों के लिए काफी अच्छा है। इसके इस्तेमाल के लिए आप हल्दी में सादा पानी या फिर गुलाबजल मिक्स करके पेस्ट तैयार करें। अब इस पैक को पैरों पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। जब यह पैक सूख जाए तो आप हल्के गुनगुने पानी से पैरों को धोएं और उसे सुखाने के बाद मॉइश्चराइजर अप्लाई करें।

पुदीने का स्क्रब : बारिश के मौसम में पैरों को स्क्रब करना काफी अच्छा रहता है और इसके लिए आप मिंट बेस्ड क्रीम व स्क्रब का इस्तेमाल करें। दरअसल, पुदीने में एंटीसेप्टिक तत्व होते हैं और यह पैरों से आने वाली बदबू को भी दूर करता है। इसके लिए आप पानी में पुदीने की कुछ पत्तियां डालकर उबालें। जब पानी ठंडा हो जाए तो इसकी मदद से अपने पैरों को साफ करें। आपके पैरों से आने वाली किसी भी तरह की बदबू बेहद आसानी से दूर हो जाएगी। वैसे आप चाहें तो पेपरमिंट ऑयल का इस्तेमाल करके फुट स्क्रब भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

मीठा छोड़ने से सिर्फ वजन ही नहीं होता कम

आज के समय में हर कोई अपनी फिगर को लेकर काफी कॉन्शियस रहता है। यही कारण है कि थोड़ा भी वजन बढ़ने पर लोग डाइटिंग करना शुरू कर देते हैं और इसमें सबसे पहले नंबर आता है मीठा छोड़ने का। अमूमन यह माना जाता है कि मीठा छोड़ने से वजन तेजी से घटता है। यह सच है लेकिन पूरी तरह नहीं। दरअसल, मीठा छोड़ने से आपके वजन पर तो असर पड़ता है ही, साथ ही इससे शरीर में अन्य भी कई बदलाव होते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

हेल्दी हार्ट : जब आप चीनी का सेवन करते हैं तो इससे आपके शरीर में इंसुलिन का स्तर बढ़ता है, जो आपके तंत्रिका तंत्र को भी उत्तेजित करता है। ऐसे में आपका हार्ट रेट और ब्लड प्रेशर बढ़ने लगता है। वहीं जब आप चीनी छोड़ते हैं तो एक सप्ताह में ही आपको अपना ब्लड प्रेशर स्थिर होता हुआ नजर आएगा। इतना ही नहीं, इससे आपका बैड कोलेस्ट्रॉल भी धीरे-धीरे कम होने लगेगा।

स्किन में बदलाव : चीनी से केवल वजन ही नहीं बढ़ता, बल्कि इसके कारण अन्य कई लाइफस्टाइल डिसऑर्डर भी होते हैं, जिसके कारण अक्सर लोगों को चेहरे पर मुंहासों की समस्या का सामना करना पड़ता है। एक अध्ययन से भी यह बात सामने आई है कि जो महिलाएं सोडा व अन्य चीनी युक्त पेय पदार्थ को छोड़ देती हैं, उनकी स्किन काफी अच्छी होती है और उन्हें महंगी क्रीम व कंसीलर का प्रयोग करने की जरूरत नहीं पड़ती।

मूड पर सकारात्मक प्रभावः आपको शायद यह जानकर हैरानी हो लेकिन चीनी और आपके मूड का भी आपस में संबंध है। एक अध्ययन में यह पाया गया कि जो महिलाएं अपने आहार में आवश्यकता से अधिक मीठे का सेवन करती हैं, उन्हें बहुत अधिक मूड स्विंग्स होते हैं। ऐसे में अगर आप अपनी डाइट से मीठे की मात्रा को कम करती हैं तो इससे धीरे-धीरे आपके मूड पर सकारात्मक प्रभाव नजर आने लगता है।

वजन कम होना : यह तो हम सभी जानते हैं कि मीठा छोड़ने से वजन धीरे-धीरे कम होने लगता है। दरअसल, जब आप चीनी छोड़ देते हैं तो ग्लूकोज की अनुपस्थित कि कारण, शरीर वसा से ऊर्जा के लिए कीटोन बनाना शुरू कर देता है। इसे फैट बर्निंग मोड कहा जाता है। शुरूआती एक सप्ताह में आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन इसके बाद आपका वजन कम होना शुरू हो जाता है।

रानीखेत में है प्रकृति का अनुपम सौंदर्य

रानीखेत को पहाड़ों की रानी भी कहा जाता है। प्रकृति का अनुपम सौंदर्य रानीखेत के कण-कण में बिखरा पड़ा है। यहां पर दूर-दूर तक फैली घाटियां, घने जंगल तथा फूलों से ढंके रास्ते व ठंडी मस्त हवा पर्यटकों का मन बरबस ही मोह लेती है। रानीखेत की खास बात यह है कि यहां पर लोगों का कोलाहल व भीड़भाड़ बहुत कम है। यकीन जानिए यहां पहुंचने के बाद पर्यटक स्वयं को प्रकृति के निकट पाता है। अंग्रेजों के शासन के दौरान अंग्रेजी फौज की छावनी रहे इस क्षेत्र में कुंमाऊं रेजीमेंट का मुख्यालय भी है। छावनी क्षेत्र होने के कारण एक तो यहां वैसे ही साफ-सफाई रहती है दूसरे यहां पर प्रदूषण की मात्रा भी अन्य जगहों की अपेक्षा बहुत कम है। चलिए सबसे पहले आपको लिए चलते हैं चौबटिया। चौबटिया में बहुत ही सुंदर बाग-बगीचे हैं। यहां पर स्थित सरकारी उद्यान व फल अनुसंधान केंद्र भी देखने योग्य हैं। यहां पर पास में ही एक जल प्रपात है, जिसके ऊंचाई से गिरते संगमरमर जैसे पानी का दृश्य आपका मन मोह लेगा। द्वाराहाट रानीखेत से लगभग 32 किमी की दूरी पर स्थित है। द्वाराहाट पुरातात्विक दृष्टि से भी अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है। कभी कत्यूरी वंश के शासकों की राजधानी रहे इस स्थल पर पूरे 65 मंदिर हैं जोकि तत्कालीन कला के बेजोड़ नमूने के रूप में विख्यात हैं। बदरीकेदार मंदिर, गूजरदेव का कलात्मक मंदिर, पाषाण मंदिर और बावड़ियां पर्यटकों को अपने अतीत की गाथा सुनाते हुए लगते हैं। यहां स्थित मंदिरों में से विमांडेश्वर महादेव का प्राचीन मंदिर एवं कुबेर की विशालकाय मूर्ति देखना न भूलें। रानीखेत से 6 किमी की दूरी पर स्थित है उपत एवं कालिका। यहां पर गोल्फ का विशाल मैदान है। हरी-हरी घास से भरे इस मैदान में गोल्फ खेलने का आनंद ही कुछ और है। कालिका में कालीदेवी का प्रसिद्ध मंदिर भी है। अब आप दूनागिरी जा सकते हैं। द्वाराहाट से लगभग 14 किमी की दूरी पर स्थित दूनागिरी से आप हिमालय की बर्फ से ढकी चोटियों के मनोहारी दर्शन कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि यहां पर 1181 के शिलालेख भी पाए गए हैं। दूनागिरी में चोटी पर दुर्गा जी सहित अन्य कई मंदिर भी हैं जहां पर आसपास के लोग बड़ी संख्या में आते हैं। इस स्थान को पर्यटन के लिहाज से सर्वश्रेष्ठ भी कहा जा सकता है। शीतलाखेत को आप पर्यटक गांव भी कह सकते हैं। यहां तक आने के लिए आप रानीखेत व अल्मोड़ा से सीधी बस सेवा का भी लाभ उठा सकते हैं। ऊंचाई पर शांत व खूबसूरत नजारों से भरे दृश्य पर्यटकों को भा जाते हैं। ट्रैकिंग की दृष्टि से भी यह अच्छा स्थल है। आप चिलियानौला भी घूमने जा सकते हैं। यहां पर हेड़ाखान बाबा का भव्य मंदिर है। कहते हैं कि इस आधुनिक मंदिर में देवी-देवताओं की कलात्मक मूर्तियां देखने लायक हैं। द्योलीखेत का मैदान तीन ओर से पर्वतों से घिरा हुआ है। इसके एक ओर देवदार तथा चीड़ के वृक्ष इस स्थल की सुंदरता में चार चांद लगा देते हैं। खड़ी बाजार रानीखेत का मुख्य बाजार है। एक ओर से उठे होने के कारण ही शायद इसका नाम खड़ी बाजार पड़ा। इस बाजार के दोनों ओर दुकानें हैं जहां से आप रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने वाले सामानों के साथ ही स्थानीय काष्ठकला की वस्तुएं भी खरीद सकते हैं। ट्रैकिंग में दिलचस्पी रखने वाले पर्यटकों के लिए रानीखेत के आसपास कई ऐसे स्थान हैं जहां पर ट्रैकिंग करके आप अपनी यात्रा को रोमांचक बनाने के साथ ही यादगार भी बना सकते हैं। आसपास के दर्शनीय स्थानों की सैर पर जाने के लिए आपको यहां से निर्धारित दरों पर टैक्सी मिल सकती हैं। यदि आप भारवाहकों की सेवा लेना चाहें तो दाम पहले ही तय कर लें। अप्रैल व जून तथा सितंबर से नवंबर के बीच आप जब भी चाहें, रानीखेत घूमने जा सकते हैं क्योंकि यह माह यहां की सैर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त समय है। हां, रानीखेत आप जब भी जाएं, ऊनी कपड़े साथ रखना न भूलें।

आस्था

नारायण सिंह

सावन में विशेष पूजा अर्चना होती है लिंगेश्वर धाम में

चित्रोत्पला गंगा की तरह पावन खारुन नदी के तट पर धमतरी-गुंडरदेही मार्ग में सनौद से मात्र 3 किलोमीटर दूर छोटा सा गांव ओझागहन है। विकासखंड गुरुर, जिला बालोद में यहां स्थापित मूर्ति को त्रिपुरी शिव तथा लिंगेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है। घाट और बाट के मध्य होने के कारण इस रास्ते से गुजरने वाले श्रद्धालु कुछ देकर रूकने के बाद ही आगे बढ़ते हैं। जनश्रुति के आधार पर ओझागहन का स्वयंभू लिंगेश्वर महादेव को काफी प्राचीन मानते हैं। यह मूर्ति पुरातात्विक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी काफी महत्व रखता है। बताया जाता है कि यह मूर्ति खुले स्थान पर था, जहां भव्य मंदिर निर्माण किया गया है। श्रावण मास में दूर-दूर से भक्त और कांवरिए जल चढ़ाने यहां पहुंचते हैं। महाशिवरात्रि के अवसर पर विशाल मेले का आयोजन किया जाता है। इसके साथ ही वर्ष भर इस मंदिर में अनेक धार्मिक आयोजन किए जाते हैं।

पुस्तक समीक्षा

छत्तीसगढ़ी उपन्यास करौंदा

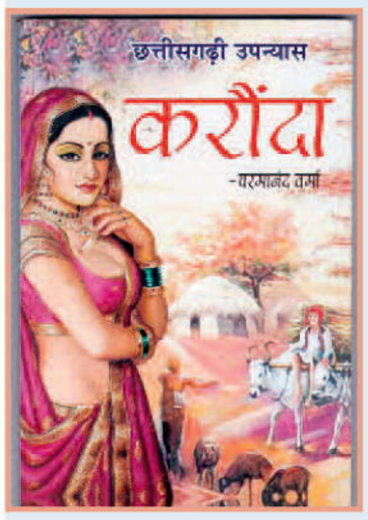

कृति के नाव
छत्तीसगढ़ी उपन्यास करौंदा

कृतिकार
परमानंद वर्मा

समीक्षक
डुमन लाल ध्रुव

प्रकाशक
श्री प्रकाशन

कीमत
दो सौ रूपए

छत्तीसगढ़ी उपन्यास में करौंदा नारी चरित्र का ऐतिहासिक दृष्टिकोण है। एक ओर समाज की विद्रूपता, समानता और शोषण की अभिव्यक्ति है और उन्हीं नीतियों के कारण करौंदा के मन में उपजे सामाजिक ठहराव का चित्रण है। स्थानीय गौंटिया द्वारा शोषण किए जाने व शराबबंदी से उत्पन्न होती है करौंदा की कहानी। वहीं दूसरी ओर बदलते समाज में रह रहे लोगों के जीवन की जटिलताएं उभरकर सामने आती हैं। परमानंद वर्मा जी छत्तीसगढ़ी के गंभीर लेखक होने के नाते उपन्यास लेखन में उनका मनीषी पक्ष बढ़ता गया और दृष्टि तात्विक होती गई। क्योंकि करौंदा एक ऐसी पात्र है जो व्यक्ति और समाज का परिसंस्कार करने के लिए आगे आई है। परमानंद वर्मा समाज के गरीब, पिछड़े, मजदूर और महिला वर्ग की चिंताओं और तकलीफों के चितेरे उपन्यासकार हैं। करौंदा का व्यवहार गांव और समाज के लिए प्रासंगिक है।

तोर मोर बोली हर लगे हे तन मं, कोन जादू ला मारे फिरत हौं बन मं।

उपन्यास लेखक श्री परमानंद वर्मा की जीवन दृष्टि मनुष्य जीवन की विभिन्न परिस्थितियों को परखती है। जीवन का गहरा अनुभव उपन्यास की विकास यात्रा को पूरी करते हैं। परमानंद वर्मा ने ददरिया शैली का अविष्कार करके संवाद के सहारे कथा की बहुत सी अदृश्य परतों को उघाड़ कर आधुनिक विन्यास संबंधी नई शैली का प्रणयन किया है।

परजा या परधान शब्द का संस्कृत में अर्थ मंत्री होता है। इतिहास के अनुसार परधान गोंडों को राजा के मंत्री के रूप में देखा जाता था। मंडला के पास रामनगर के गोंड राजा हिरदे शाह ने राय भगत मरावी परधान को अपना प्रधानमंत्री नियुक्त किया था, इन्हें पटेरिया भी कहा जाता था। यह जनजाति राज घराने में अपने राजा की प्रसंशा में गायन के साथ पौराणिक कथाओं का वाचन भी करते थे। यह जनजातियां खासकर बिलासपुर और रायपुर जिलों में निवास करते हैं।

राज गायक होते थे परधान

जनजाति विशेषः डा. वेदवती मंडावी

छत्तीसगढ़ अंचल में अनेक जाति और जनजातियां निवास करती हैं, जिनमें जनजातियों को सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक स्तर पर इन्हें तीन समूह में विभाजित किया गया है। इनमें परजा या परधान आदिवासियों को द्रविड़ भाषा परिवार के अंतर्गत देखा जाता है। परजा या परधान शब्द का संस्कृत में अर्थ मंत्री होता है। इतिहास के अनुसार परधान गोंडों को राजा के मंत्री के रूप में देखा जाता था। मंडला के पास रामनगर के गोंड राजा हिरदे शाह ने राय भगत मरावी परधान को अपना प्रधानमंत्री नियुक्त किया था, इन्हें पटेरिया भी कहा जाता था। यह जनजाति राज घराने में अपने राजा की प्रसंशा में गायन के साथ पौराणिक कथाओं का वाचन भी करते थे। यह जनजातियां खासकर बिलासपुर और रायपुर जिलों में निवास करते हैं। इन परिवारों की मातृभाषा गोंडी है। इस जनजाति को गोंड परिवारों में अपनी परंपरा तथा संस्कृति की रक्षा में विशेष भूमिका मानी जाती है। परसापेन की पूजा के अवसर पर यह विभोर होकर गायन करते हैं। गोंड राजाओं के पतन के बाद इन्हें नियमानुसार संरक्षण नहीं मिलने से, इन्होंने संगीत को अपनी आजीविका का मुख्य साधन माना, जो अभी भी जारी है।

मन को मोहित करता गुढ़वा

पर्यटन : देवधर महंत

छत्तीसगढ़ के जिला मुख्यालय जांजगीर चांपा से लगभग 20 किमी तथा चांपा शक्ति मार्ग पर पक्की सड़क पर अनेक दर्शनीय स्थल देखे जा सकते हैं। इसी मार्ग पर दर्शनीय स्थलों में से ग्राम गुढ़वा स्थापित शिव मंदिर भी हैं। इस स्थल की विशेषता है कि शिव मंदिर पहाड़ी के नीचे स्थापित है। बरसात के दिनों में पहाड़ों की ऊंचाई से गिरता पानी झरने के रूप में भगवान शिव के चरण पखारता नीचे पहुंचता है। इस कारण विशेष कर पर्यटक इन दिनों प्रकृति की सुंदरता देखने दूर दूर से यहां आते हैं। आसपास का वातावरण पूरी तरह से जंगलों से घिरा होने के कारण वातावरण हरियाली से आच्छादित होने के कारण और भी रमणीय लगता है। इतना ही नहीं इस स्थल के आसपास और भी में भी अनेक दर्शनीय स्थल हैं, यहां भी पर्यटक प्रकृति का आनंद लेने पहुंचते रहते हैं।

आदिवासी मनाते हैं सावन महीने में अमूस तिहार

परब विशेषः यामिनी पांडे

छत्तीसगढ़ के मैदानी और पहाड़ी क्षेत्रों में पर्व और परंपराओं को अपने अपने तरीके से मनाए जाते हैं। पहाड़ी अंचल विशेषकर बस्तर क्षेत्र में आदिवासियों द्वारा मनाए जाने वाले त्योहारों का स्वरूप प्रकृति पूजन ही होता है। यहां भी हरेली को वर्ष का पहला त्योहार माना जाता है। इस पर्व को पूरे छत्तीसगढ़ में हरेली तो, बस्तर में इसे अमूस कहा जाता है। यह पर्व सावन माह की अमावस्या के दिन मनाया जाता है इसलिए इसे अमूस तिहार कहते हैं। इस दिन सभी किसान बैलों और खेती के उपकरणों जैसे हल, कुदाल आदि की पूजा करते हैं। खेतों में तेंदू का तना, रसना (सुगंधित पौधा), सेदावरी (हल्के हरे रंग का कांटेदार पौधा), झगड़यी (लंबा पत्तेदार पौधा) और धुमा (सागुन के पत्ते जैसा पौधा) इन सभी पौधों को जड़ के साथ लाकर एक डाल में बांधा जाता है, फिर इसकी विधिवत पूजा कर खेतों की क्यारी में लगा दिया जाता है। इसके साथ ही घर में चावल के आटे से चिला रोटी, दाल बड़ा और पूड़ी आदि पकवान बनाए जाते हैं। पूजा के बाद प्रसाद स्वरूप यह भोग परिजनों में बांटे जाते हैं। इस दिन खेती से संबंधित सारे कामों पर लोग लगा दी जाती है।

अब नहीं दिखते प्राचीन सिक्के

चिंहारी : डा. तृषा शर्मा

पांचवी-छठवीं शताब्दी के उपरांत जब सिक्कों का प्रचलन शुरू हुआ तब आना की प्रथा प्रारंभ हुई। छह पैसे बराबर एक आना, सोलह आना बराबर एक रूपिया। बीस रूपिया बराबर एक कोरी और पांच कोरी बराबर एक सैंकड़ा। चार आने, आठ आने के सिक्के तो अब लुप्त हो चुके हैं। जमीन-भूखंडों और खेतों के नाप जोग की भी अलग ही परंपरा रही है। नांगर यानि हल के साथ खेतों की नाप जोग होती है। 20 से 25 एकड़ जमीन बराबर एक नांगर। एक एकड़ जमीन पर बोए जाने वाले बीज की मात्रा 12 कोठी होती थी। डिसमिल, एकड़ जमीन के पैमाने थे। दूरी के माप के लिए कोस मील धाप और हांक का प्रचलन था। 3 मील के लिए एक कोस माना जाता था और आधे कोस को धाप और आधे धाप को हांक कहते थे। अंग्रेज प्रशासक हेविट के सेटलमेंट रिपोर्ट में इस पैमाने का उल्लेख था। अंग्रेजों के जमाने से चली आ रही नाप तौल और रूपए-पैसे का यह पैमाना आज आधुनिकता के हमले से लुप्त हो रहे हैं। जब जीवन मूल्यों के पैमाने ही बदल गए हों और गांव हटकर शहर की ओर दौड़ रहा हो, ऐसे में नाप तौल की यह शब्दावली निरंतर सिमटते जा रही है। असंतुलन की इस अवस्था में इसके पूर्ण लुप्त होने का खतरा बना हुआ है।

शैल चित्र

मनोहर लाल यदु

इतिहास की गाथा संजोए चितवा डोंगरी

चितवा डोंगरी स्थित शैलचित्रों में चीनी कला एवं जन जीवन का प्रभाव मिलता है। गांव वालों के अनुसार इन गुफाओं में सत्रह शैल चित्र अंकित हैं। इन गुफाओं में चीनी लोगों का निवास होने के कारण उनके द्वारा वन देवता माना गया। इसलिए डोंगरी को वनदेवता चीता के नाम से भी पुकारा जाता है। यहां प्राप्त चित्रों की विषय वस्तु मूल रूप से कृषि, व्यापार एवं प्राकृतिक दृश्य को दर्शाते हैं।

रायगढ़ जिले के अलावा दुर्ग जिले में लोहारा से 10 किलोमीटर दूर दिल्ली मार्ग पर चितवा डोंगरी स्थित है। यहां के शैलचित्रों में चीनी कला एवं जन जीवन का प्रभाव मिलता है। गांव वालों के अनुसार इन गुफाओं में सत्रह शैल चित्र अंकित हैं। इन गुफाओं में चीनी लोगों का निवास होने के कारण उनके द्वारा वन देवता माना गया। इसलिए डोंगरी को वनदेवता चीता के नाम से भी पुकारा जाता है। यहां प्राप्त चित्रों की विषय वस्तु मूल रूप से कृषि, व्यापार एवं प्राकृतिक दृश्य को दर्शाते हैं। इसके अलावा खच्चर पर सवार चीनी वेशभूषा में मानव और चीनी ड्रैगन का एक चित्र है। इन शैलाश्रयों की खोज के लिए आज भी अनुसंधान किए जा रहे हैं। अनेक प्रमाणों और निष्कर्ष के आधार पर इतिहासकारों के अनुसार यह शैल चित्र ईसा से 25 सौ वर्ष पूर्व की मानी जाती है। इन शैलचित्रों से पता चलता है कि भारत और चीन का संबंध प्राचीन काल से रहा है। उचित रखरखाव के अभाव में यह शैलचित्र नष्ट होते नजर आ रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

टीवीएस क्रेडिट को लाभ

चेन्नई। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी टीवीएस क्रेडिट सर्विसेज लिमिटेड ने मंगलवार को बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 40.9 प्रतिशत बढ़कर 117 करोड़ रुपए हो गया। टीवीएस क्रेडिट सर्विसेज ने पिछले वर्ष की इसी तिमाही के दौरान 83 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की कुल आय 868 करोड़ से बढ़कर 1353 करोड़ रुपए हो गई। प्रबंधन के तहत संपत्ति बढ़कर 21,924 करोड़ रुपए हो गई।

जानसन बेबी का कैम्पेन

नई दिल्ली। बेबी केयर प्रोडक्ट पेश करने वाली कंपनी जानसन बेबी ने अपने सबसे नए 'प्रॉमिस, पहले पल से' कैम्पेन में हर मातापिता के सबसे महत्वपूर्ण प्रामिस को अहमियत दी है। 'प्रॉमिस, पहले पल से' ब्रांड के इस नए मार्केटिंग कैम्पेन को 'सिर्फऔर सिर्फ बेबी सेफ' इंग्रीडिएंट्स के साथ डिज़ाइन किया गया है। केनव्यू के बिज़नेस यूनिट हेड और वीपी मार्केटिंग मनोज ने कहा, 'इस कैम्पेन के पहले जानसन बेबी ने देश के विभिन्न क्षेत्रों की 15,000 से ज़्यादा माताओं से संपर्क करके उनसे जाना कि वह अपने बेबी को कौन सा प्रामिस देती हैं।

नई मोटर बीमा पालिसी

नई दिल्ली। बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस ने 'वी-पे' नामक अपनी नई मोटर बीमा पालिसी लांच करने का ऐलान किया है। इस पालिसी की लांचिंग के मौके पर बोलते हुए बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ तपन सिंघल ने कहा, 'हमारी हमेशा से यही कोशिश और प्रेरणा रही है कि हम नए इनोवेशन के जरिए ग्राहकों की चिंताओं और दर्द को दूर कर सकें। हमारी नई पालिसी हमारे ग्राहकों की सभी चिंताओं को दूर करने में सक्षम है।

बजाज आटो का लाभ बढ़ा

मुंबई। घरेलू वाहन विनिर्माता बजाज आटो का चालू वित्त वर्ष की पहली जून में समाप्त तिमाही का एकल शुद्ध लाभ 42 प्रतिशत बढ़कर 1,665 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी ने मंगलवार को बयान में अप्रैल-जून तिमाही के नतीजों की जानकारी देते हुए कहा कि एक साल पहले की समान तिमाही में उसका एकल आधार पर शुद्ध लाभ 1,173 करोड़ रुपए रहा था। आलोच्य तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 29 प्रतिशत उछलकर 10,310 करोड़ रुपए हो गई। जबकि साल भर पहले यह 8,005 करोड़ रुपए थी।

एरिशा का लक्ष्मी से करार

नई दिल्ली। एरिशा ई मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड एवं लक्ष्मी इंडिया फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड ने एक करार किया है जिसके तहत राजस्थान,मध्य प्रदेश एवं गुजरात में कंपनी के ग्राहकों को इलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर खरीदने के लिए वित्त उपलब्ध कराया जाएगा। एरिशा के प्रबंध निदेशक सुधीर राणा और लक्ष्मी इंडिया फाइनेंस के मुख्य कारोबार अधिकारी कुलदीप सिंह सिकरवार ने इस करार पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

वोल्वो कार्स ने स्वास्थ्य केंद्रों के लिए लगाए दो सौर ऊर्जा संयंत्र

नई दिल्ली। वोल्वो कार्स इंडिया ने एसोचैम की सहभागिता से गुरु ग्राम जिले के दौलताबाद और वजीराबाद में स्थित सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 10 किलोवाट सौर ऊर्जा की दो इकाइयां स्थापित कीं। वजीराबाद में गुरु ग्राम के सिविल सर्जन डॉ. वीरेंदर यादव ने वोल्वो कार्स इंडिया के कॉमर्शियल ऑपरेशंस डाइरेक्टर कल्पित शिशोदिया के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया। ये इकाइयां स्वास्थ्य केंद्र की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेंगी। साथ ही सुनिश्चित करेंगी कि बिजली कटौती की अप्रत्याशित स्थिति में सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र सामान्य रूप से काम करते रहें। छह-छह बिस्तरों की क्षमता वाले ये दोनों स्वास्थ्य केंद्र 15 से अधिक गांवों की जरूरतें पूरी करते हैं यह जानकारी वोल्वो कार्स इंडिया की प्रबंध निदेशक ज्योति मल्होत्रा ने दी। एसोचैम के महासचिव और एएफसीएसआर के ट्रस्टी दीपक सूद ने कहा, 'एसोचैम समुदायों की बेहतरी की दिशा में प्रौद्योगिकी का एकीकरण कराने के लिए भारतीय उद्योग के साथ सहभागिता करता है, जिससे समुदाय अपने जीवन की समग्र गुणवत्ता सुधार सकें।'

ग्राहकों को जल्द मिलने लगेंगे 'इंडिया साइज' वाले परिधान

■ कपड़ा मंत्रालय इस योजना पर तेजी से कर रहा काम ■ फिलहाल ई-कामर्स मंचों पर मिल रहे यूके, यूएस साइज

नई दिल्ली (भाषा)।

कपड़ा सचिव रचना शाह ने मंगलवार को कहा कि कपड़ा मंत्रालय जल्द ही परिधानों के लिए 'इंडिया साइज' वाले मानकों को पेश करेगा। इन मानकों को भारतीय शारीरिक संरचना के अनुसार तैयार किया गया है।

इन मानकों के आने के बाद भारतीय ऐसे कपड़ों को खरीद सकेंगे, जो उनके लिए बेहतर फिट होंगे। इस समय भारत में उपलब्ध अंतरराष्ट्रीय और घरेलू ब्रांड 'छोटे', 'मध्यम' और 'बड़े' साइज वाले कपड़ों के लिए अमेरिका या ब्रिटेन के साइज मानकों का इस्तेमाल करते है।

आमतौर पर अगर आप किसी ई कामर्स मंच पर कपड़ों या फुटवियर की शापिंग करने जाते हैं तो वेबसाइट पर जो साइज दिये जाते हैं उनमें यूके साइज, यूरोप साइज या यूएस साइज ही दिये होते हैं। जल्द ही आपको इंडिया साइज भी इन वेबसाइट पर दिखाई देने लगेगा।

AYNI Fit Size	EU	Italy	US	UK	Japan	Korea
XS	30-32	34-36	00-0	2-4	1-3	44
S	34-36	38-40	2-4	6-8	5-7	55
M	38-40	42-44	6-8	10-12	9-11	66
L	42-44	46-48	10-12	14-16	13-15	77

गौरतलब है कि वेबसाइट पर दिये साइज के तहत पश्चिमी शारीरिक संरचना में ऊंचाई, वजन या शरीर के अंगों की विशिष्ट माप भारतीयों से अलग होती है, जिसके चलते कभी-कभी फिटिंग संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस बारे में शाह ने कहा, 'हम उम्मीद कर रहे है...यह बहुत जल्द होगा।' कपड़ा सचिव ने कहा कि सरकार का लक्ष्य घरेलू तकनीकी कपड़ा क्षेत्र को अगले पांच वर्षों में 40-50 अरब अमेरिकी डालर तक ले जाना है, जो इस समय 22 अरब अमेरिकी डालर का है।

शाह ने कहा, 'तकनीकी वस्त्रों का हमारा निर्यात इस समय 2.5 अरब अमेरिकी डालर है। हमारा मकसद इसे पांच वर्षों में बढ़ाकर 10 अमेरिकी डॉलर करना है।'

टीवीएस सप्लाई चेन को आईपीओ की मंजूरी

नई दिल्ली (भाषा)।

टीवीएस समूह की कंपनी टीवीएस सप्लाई चेन सोल्यूशंस को प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी की मंजूरी मिल गई है।

आईपीओ के मसौदा प्रस्ताव के अनुसार निर्गम में 750 करोड़ रुपए तक के ताजा इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा प्रवर्तक और मौजूदा शेयरधारक दो करोड़ से अधिक इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) करेंगे। ओएफएस में शेयर बेचने वालों में ओमेगा टीसी होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड, टाटा कैपिटल, महोगनी सिंगापुर कंपनी पीटीई लिमिटेड और टीवीएस मोटर कंपनी लिमिटेड शामिल है।

सेमीकंडक्टर संयंत्र के लिए प्रस्तावों का इंतजार

■ वेदांता व फॉक्सकॉन की तरफ से अभी नहीं मिले प्रस्ताव

गांधीनगर (भाषा)। इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने मंगलवार को कहा कि केंद्र देश में सेमीकंडक्टर संयंत्र लगाने को लेकर ताइवान की फॉक्सकॉन और विभिन्न कारोबार क्षेत्रों से जुड़ी वेदांता के अलग-अलग प्रस्तावों का इंतजार कर रहा है। इस महीने की शुरुआत में फॉक्सकॉन उद्योगपति अनिल अग्रवाल की वेदांता के साथ संयुक्त उद्यम के तहत सेमीकंडक्टर बनाने का संयंत्र लगाने के प्रस्ताव से हट गई थी। ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण कंपनी ने कहा कि वह भारत में अलग से सेमीकंडक्टर इकाई लगाने के लिए काम कर रही है।

सेमीकंडक्टर मामले में पूछे गए सवाल के जवाब में चंद्रशेखर ने कहा, 'दो निजी भागीदारों ने भारत में सेमीकंडक्टर संयंत्र लगाने के लिए संयुक्त उद्यम का प्रस्ताव दिया था। उनका अब मानना है कि वे अलग-अलग प्रस्ताव देंगे। हम उनके प्रस्तावों का इंतजार करेंगे और उसके मुताबिक आकलन करेंगे।' चंद्रशेखर ने सेमीकॉन इंडिया-2023 के तहत सेमीकंडक्टर से संबंधित अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों पर आयोजित छह दिन की प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में कहा कि देश ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में पिछले 15 महीनों में जो हासिल किया है, वह पिछले 70 साल में हासिल नही किया गया था। प्रदर्शनी का उद्घाटन गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने किया। मंत्री ने संवाददाताओं से कहा, 'जब विभिन्न देशों ने सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में बहुत प्रगति की, तो उस समय हमारा देश इस अवसर का लाभ उठाने में या तो असफल रहा है या उसे नजरअंदाज कर दिया गया। विभिन्न सरकारों ने इस क्षेत्र को अलग-अलग तरीकों से या तो नजरअंदाज किया या इसमें असफल रहीं।'

उन्होंने कहा, 'यह पहली बार है जब इस दिशा में सफल प्रयास किए गए। हम जो पिछले 70 साल में हासिल नहीं कर पाए, उसे 15 साल में हासिल किया है।' केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि सेमीकंडक्टर परिवेश के निर्माण के मामले में गुजरात दूसरे राज्यों से आगे निकल रहा है। अमेरिकी चिप विनिर्माता माइक्रोन राज्य में बड़ा निवेश करने जा रही है।

खुदरा क्षेत्र का पट्टा पहली छमाही में 24 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई (भाषा)।

साल 2023 की पहली छमाही में खुदरा कारोबार के लिए पट्टे पर लिए गए वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों का क्षेत्रफल 24 प्रतिशत बढ़ गया जबकि नए पट्टों में बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर और अहमदाबाद की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत रही। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

रियल एस्टेट क्षेत्र की सलाहकार फर्म सीबीआरई साउथ एशिया ने आंकड़ों पर आधारित एक रिपोर्ट में कहा कि साल की पहली छमाही में खुदरा कारोबार स्थल की आपूर्ति पिछले साल की तुलना में 148 प्रतिशत बढ़ गई। इसकी वजह यह है कि शापिंग माल का निर्माण पूरा होने की दर छमाही आधार पर आठ प्रतिशत बढ़ गई है। देश के आठ प्रमुख बाजारों से एकत्रित आंकड़ों से पता चलता है कि बेंगलुरु में जनवरी-जून 2023 के दौरान आठ लाख वर्ग फुट क्षेत्र पट्टे पर लिया गया। इसके बाद दिल्ली-एनसीआर में सात लाख वर्ग फुट और चेन्नई एवं अहमदाबाद में चार-चार लाख वर्ग फुट क्षेत्र खुदरा गतिविधियों के लिए किराए पर लिए गए। रिपोर्ट के मुताबिक, खुदरा पट्टे की दर पहली छमाही में 24 प्रतिशत बढ गई जबकि साल भर पहले इसमें 15 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई थी।

खाद्य पदार्थों के दाम पर सरकार की नजर

■ कृषि राज्यमंत्री ने कहा, मांग-आपूर्ति की स्थिति पर भी रखी जा रही नजर

नई दिल्ली (भाषा)।

केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने मंगलवार को कहा कि सरकार सभी आवश्यक खाद्य पदार्थों की कीमतों के साथ-साथ मांग व आपूर्ति की स्थिति पर करीबी नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि सरकार उपभोक्ताओं और किसानों दोनों के हितों को संतुलित रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कीमतों और उपलब्धता की स्थिति की नियमित निगरानी के लिए एक समिति का गठन किया है।

■ केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने मोटे अनाजों पर जारी किया डाक टिकट
■ खाद्य पदार्थों की उपलब्धता व कीमतों की निगरानी के लिए समिति का गठन

चौधरी ने खाद्य मुद्रास्फीति और गैर-बासमती सफेद चावल पर हाल के निर्यात प्रतिबंध के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'सरकार खाद्य पदार्थो की कीमतों और उपलब्धता की निगरानी कर रही है। सरकार घरेलू उपलब्धता को बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए उपाय करती है।' वह भारतीय डाक के सहयोग से मोटे अनाज पर आईटीसी के डाक टिकट की पेशकश करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मांग-आपूर्ति की स्थिति और खुदरा कीमत के आधार पर सरकार निर्यात शुल्क लगाने या निर्यात रोकने का फैसला करती है। मंत्री ने कहा कि देश में खाद्य पदार्थों की आपूर्ति के मोर्चे पर कोई समस्या नहीं है।

चौधरी ने कहा, 'सरकार उपभोक्ताओं और किसानों दोनों के हित को देखती है और संतुलन बनाने की कोशिश करती है।' राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जून में खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति 4.49 प्रतिशत थी, जो मई के 2.96 प्रतिशत से अधिक है। खाद्य वस्तुओं का सीपीआई (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक) में लगभग आधा हिस्सा होता है। आंकड़ों से पता चला कि मसालों के मामले में मूल्यवृद्धि की वार्षिक दर 19.19 प्रतिशत, 'अनाज और उत्पादों' में 12.71 प्रतिशत, 'दालों और उत्पादों' में 10.53 प्रतिशत और अंडे में सात प्रतिशत थी। सालाना आधार पर जून में फल भी थोड़े महंगे रहे। हालांकि, 'तेल और वसा' (-18.12 प्रतिशत) और सब्जियों (-0.93 प्रतिशत) की मुद्रास्फीति नीचे आई है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने मोटे अनाज के उत्पादन और उपभोग को बढ़ावा देने की जरूरत पर जोर दिया।

स्पाइसजेट को बढ़ी हुई निगरानी खत्म

■ डीजीसीए ने कहा, सामान्य प्रकृति के थे कंपनी से जुड़े सभी मामले

नई दिल्ली (भाषा)।

विमानन नियामक डीजीसीए ने स्पाइसजेट को अपनी बढ़ी हुई निगरानी व्यवस्था से हटा दिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना कर रही एयरलाइन को हाल ही में बढ़ी हुई निगरानी में रखा गया था।

डीजीसीए के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अपर्याप्त रखरखाव और पिछले साल मानसून के दौरान हुई घटनाओं के मद्देनजर स्पाइसजेट को बढ़ी हुई निगरानी में रखा गया था। अधिकारी ने कहा, 'ऐसे में पूरे भारत में 11 स्थानों पर बोइंग 737 और बॉम्बार्डियर डीएचसी क्यू-400 विमानों के बेड़े की 51 जांच की गईं। इस दौरान कुल 23 विमानों का निरीक्षण किया गया। डीजीसीए दलों ने 95 टिप्पणियां कीं।' उन्होंने कहा कि कंपनी से जुड़े सभी मामले सामान्य प्रकृति के थे और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने उन्हें महत्वपूर्ण नही माना। अधिकारी ने कहा, 'डीजीसीए दिशानिर्देशों के अनुसार टिप्पणियों पर एयरलाइन ने उचित कार्रवाई की, जिसके चलते स्पाइसजेट को डीजीसीए की बढ़ी हुई निगरानी व्यवस्था से हटा दिया गया है।'

इससे पहले खबरों में बताया गया था कि डीजीसीए ने स्पाइसजेट को बढ़ी हुई निगरानी व्यवस्था के तहत रखा है। उस दिन इस खबर के बारे में एयरलाइन ने इनकार किया था। संपर्क करने पर स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने कहा था, ''जानकारी बिल्कुल गलत है।

पर्याप्त रूप से विकसित नहीं हुई थी बायजू की शासन संरचना

नई दिल्ली (भाषा)।

बायजू के निवेशक प्रोसस एनवी ने मंगलवार को कहा कि संकटग्रस्त कंपनी की शासन संरचना पर्याप्त विकसित नहीं हुई थी। प्रोसस ने साथ ही कहा कि कंपनी में उसके पूर्व निदेशक के बार-बार प्रयासों के बावजूद 'नियमित रूप से सलाह की उपेक्षा' की गई।

प्रोसस ने इस साल बायजू का मूल्यांकन 22 अरब अमेरिकी डालर से घटाकर 5.1 अरब डालर कर दिया था। उसने कहा कि उसके निदेशक ने पिछले महीने बायजू के बोर्ड से हटने का निर्णय इसलिए किया क्योंकि वह ''कंपनी और उसके हितधारकों के हितों की रक्षा करने करने में असमर्थ थे।'

अमेजन के 'प्राइम डे' से 70 फीसद बढ़ा कारोबार

बेंगलुरु (एजेंसी)। इस साल 11 और 12 जुलाई को वैश्विक स्तर पर आयोजित प्राइम डे कार्यक्रम के दौरान, अमेज़न ग्लोबल सेलिंग के भारतीय निर्यातकों के व्यापार में लगभग 70% की वृद्धि हुई, जो दो दिवसीय बिक्री कार्यक्रम के पिछले संस्करणों में औसत वृद्धि दर से भी आगे निकल गई। भारतीय निर्यातकों ने दुनिया भर में ग्राहकों को हजारों 'मेड इन इंडिया' उत्पाद बेचे, जिनमें सौंदर्य 125% सालाना वृद्धि, परिधान 122% साल दर साल वृद्धि, घर 81% साल दर साल वृद्धि, फर्नीचर 75% साल दर साल वृद्धि, रसोई 52% साल दर साल वृद्धि जैसी श्रेणियों में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई।

अमेज़न पर भारतीय निर्यातकों की सफलता देश भर में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों और स्टार्टअप के बीच ई-कामर्स निर्यात की बढ़ती स्वीकार्यता को रेखांकित करती है। होमस्पून ग्लोबल, कैलिफ़ोर्निया डिज़ाइन डेन, ग्लैम्बर्ग, इंडो काउंट, स्किलमैटिक्स, हिमालय जैसे कई भारतीय ब्रांडों ने प्राइम डे 2023 में भाग लिया। अमेज़न के डायरेक्टर ग्लोबल ट्रेड, भूपेन वकानकर कहते हैं, 'वैश्विक स्तर पर 200 मिलियन से अधिक अमेज़न प्राइम सदस्यों के साथ, प्राइम डे हमेशा अमेज़न ग्लोबल सेलिंग पर भारतीय निर्यातकों के लिए एक महत्वपूर्ण विकास अवधि रही है।

निरीक्षण ढांचे में जलवायु जोखिमों को भी शामिल करें केंद्रीय बैंक

■ आरबीआई के डिप्टी गर्वनर एम. राजेश्वर की सलाह

मुंबई (भाषा)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर एम. राजेश्वर राव ने कहा है कि केंद्रीय बैंकों को हरित वित्त के लिए ढांचे और मानकों के विकास में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए उन्हें अपने निरीक्षण ढांचे में जलवायु संबंधी जोखिमों को शामिल करने की जरूरत है। उन्होंने 'केंद्रीय बैंकिंग के लिए जलवायु प्रभाव' पर एक समूह चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि सिर्फ नए हरित उद्यमों का वित्तपोषण पर्याप्त नहीं है। मौजूदा उत्सर्जक फर्मों के उत्पादन या वृद्धि से समझौता किए बिना उनके लिए रूपांतरण योजनाओं की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, 'ऐसा करने के लिए केंद्रीय बैंक अपने निरीक्षण ढांचे में जलवायु-संबंधी जोखिमों को शामिल कर सकते है और हरित वित्त के लिए ढांचे और मानकों के विकास में योगदान दे सकते है। ये ढांचे हरित वित्त बाजार में पारदर्शिता, मानकीकरण और ईमानदारी को बढ़ावा देने में मदद कर सकते है।'

गोवा सरकार ने उबर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

पणजी (भाषा)।

गोवा सरकार ने उबर इंडिया सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और उस पर राज्य में अवैध रूप से अपनी सेवाएं संचालित करने का आरोप लगाया है।

उबर ने पिछले हफ्ते गोवा में अपनी सेवाओं की घोषणा की थी, जिसमें हवाईअड्डे से सवारी लेने और पहुंचाने की सुविधा शामिल है। राज्य के परिवहन मंत्री मौविन गोडिन्हो ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा कि उनके विभाग ने बिना किसी अनुमति के राज्य में उबर के संचालन के लिए औपचारिक शिकायत दर्ज की है।

तकनीकी खामी से घंटों ठप रही आईआरसीटीसी रेल टिकट बुकिंग

■ टिकट बुकिंग कराने के लिए मची मारामारी, 200 अतिरिक्त काउंटर खोले
■ बड़ी मशक्कत के बाद दोपहर बाद शुरू हो सकी टिकट बुकिंग

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की वेबसाइट और मोबाइल ऐप्लिकेशन पर तकनीकी खामी के कारण मंगलवार को घंटो रेल टिकट बुकिंग ठप रहा। इस वहज से न तो इंटरनेट से ई-टिकट बुकिंग हो पा रही थी और न ही मोबाइल एप से ई-टिकट से। इससे यात्रियों को रेल टिकट बुक कराने के लिए खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि इस समस्या से निपटने के लिए रेलवे ने अपने आरक्षण बुकिंग केंद्रों पर 200 अतिरिक्त काउंटर खोले थे ताकि यात्री वहां से टिकट बुक करा सकें। दोपहर बाद तकनीकी खामी दूर होने पर फिर से ई-टिकट की बुकिंग शुरू हो सकी।

दरअसल भारतीय रेलवे की ट्रेनों के लिए आरक्षित श्रेणी के लिए ई-टिकटों की बुकिंग बड़ी संख्या में यात्री आईआरसीटीसी के वेब पोर्टल और मोबाइल एप से करते हैं। लेकिन मंगलवार सुबह ई-टिकट बुक करने के दौरान पेमेंट होने और टिकट नहीं मिलने की समस्या आने लगी। यह परेशानी दोपहर दो बजे तक चलती रही। बड़ी मशक्कत के बाद दोपहर दो बजे से पोर्टल और मोबाइल एप ई-टिकटों की बुकिंग फिर से शुरू हो पाई। शाम 4.30 तक टिकट बुकिंग की संख्या 14,19,671 हो चुकी थी। रोजाना 82 प्रतिशत ई-टिकटों की बुकिंग पोर्टल और एप पर होती है।

वंदेभारत स्लीपर ट्रेन का वाणिज्यिक उत्पादन जून 2025 से

■ टीटागढ़ रेल सिस्टम्स के उत्तरपाड़ा संयंत्र में होगा उत्पादन ■ ट्रेन के 80 सेट बनाने को कंपनी ने भेल से किया है गठजोड़

■ छह साल में तैयार हो जाएंगी सभी ट्रेन
■ 160 किमी. की गति से दौड़ेंगी ये ट्रेन
■ इस ट्रेन में लगेंगे कुल सोलह डिब्बे
■ एक बार में सफर कर सकेंगे 887 यात्री
■ 120 ट्रेन सेट के लिए जल्द किया जाएगा रूसी कंपनी से एक अन्य करार

कोलकाता (भाषा)।

वंदे भारत की शयनयान कोच से सजी ट्रेनों का वाणिज्यिक उत्पादन टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड (टीआरएसएल) के उत्तरपाड़ा संयंत्र में जून, 2025 से शुरू होगा।

टीआरएसएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम बीएचईएल (भेल) के साथ स्थापित गठजोड़ को रेलवे ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के 80 सेट बनाने का काम सौंपा है। वंदे भारत की यह स्लीपर ट्रेन अभी तक परिचालन में मौजूद वंदे भारत ट्रेन से अलग होगी।

इसमें बैठने वाली सीटों की जगह यात्रियों के सोने लायक सीट लगाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि गठजोड़ इस ट्रेन के 50-55 प्रतिशत कलपुर्जों का निर्माण बंगाल में ही करेगा। इस गठजोड़ में टीआरएसएल की हिस्सेदारी 52 प्रतिशत है।

कंपनी के वाइस चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक उमेश चौधरी ने कहा कि गठजोड़ को रेलवे से मिले इस ठेके का कुल मूल्य 24,000 करोड़ रुपए है जिसमें टीआरएसएल की हिस्सेदारी करीब 12,716 करोड़ रुपए की है। उन्होंने कहा कि इस अनुबंध को छह साल के भीतर पूरा किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पहली आठ ट्रेनें पूरी तरह उत्तरपाड़ा संयंत्र में बनाई जाएंगी जबकि बाकी ट्रेनों को रेलवे के चेन्नई संयंत्र में असेंबल किया जाएगा।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को इस तरह से बनाया जाएगा कि वह अधिकतम 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सके। उसमें 16 डिब्बे लगाए जाएंगे जिनमें कुल 887 यात्री एक साथ यात्रा कर पाएंगे।

चौधरी ने कहा कि 120 वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की आपूर्ति के लिए एक और गठजोड़ करने वाला है जिसमें रेल विकास निगम लिमिटेड और रूसी कंपनी टीएमएच शामिल है।

एनपीए में कमी के लिए ओटीएस योजना शुरू करेगा जम्मू कश्मीर बैंक

श्रीनगर (भाषा)।

जम्मू-कश्मीर बैंक अपनी गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) में कमी लाने के मकसद से कर्ज नही चुकाने वालों के लिए एक और एकमुश्त निपटान योजना (ओटीएस) शुरू करेगा। बैंक के सीईओ और प्रबंध निदेशक बलदेव प्रकाश ने यह जानकारी दी।

प्रकाश ने कहा कि जम्मू-कश्मीर बैंक पहले से ही ऋण वसूली के प्रति मानवीय नजरिया अपना रहा है। उन्होंने कहा, 'हम ऐसा कानून के दायरे में कर रहे है। हमने कर्ज नहीं चुकाने वालों के लिए पहले ही दो ओटीएस योजनाएं दी है।

मैच के बाद जीत की खुशी मनातीं फिलीपींस टीम की खिलाड़ी।

अपनी अप्रत्याशित हार से निराश न्यूजीलैंड टीम की खिलाड़ी।

फिलीपींस ने न्यूजीलैंड को हराकर किया उलटफेर

फीफा महिला विश्व कप : कोलंबिया ने दक्षिण कोरिया को 2-0 से दी शिकस्त

वेलिंगटन, एजेंसी। पहली बार फीफा महिला विश्व कप में हिस्सा ले रहे फिलीपींस ने टूर्नामेंट के सबसे बड़े उलटफेरों में से एक को अंजाम देते हुए मंगलवार को मेज़बान न्यूजीलैंड को 1-0 से मात दे दी। वेलिंगटन रीजनल स्टेडियम पर खेले गए सनसनीखेज ग्रुप-ए मुकाबले में सरीना बोल्डेन ने 24वें मिनट में विजेता टीम का गोल किया। यह महिला विश्व कप इतिहास में फिलीपींस की पहली जीत है। विश्व रैंकिंग की 46वीं टीम फिलीपींस को अपने पहले मुकाबले में स्विट्ज़रलैंड के हाथों 0-2 की हार मिली थी।

सरीना बोल्डेन ने 24वें मिनट में किया मैच विजयी गोल।

विश्व नंबर 26 न्यूज़ीलैंड को भी एक आसान जीत की उम्मीद थी, लेकिन बोल्डेन के गोल ने इन उम्मीदों पर पानी फेर दिया। बोल्डेन ने 24वें मिनट में न्यूजीलैंड के गोल के पास हेडर मारा। गेंद सीधा न्यूज़ीलैंड की गोलकीपर विक्टोरिया एस्सन के पास गई, लेकिन वह उसे पकड़ नहीं सकीं और फिलीपींस को उसका पहला विश्व कप गोल मिल गया। घरेलू मैदान पर खेलते हुए न्यूज़ीलैंड ने स्थानीय समर्थन के साथ वापसी के कई प्रयास किए, लेकिन फिलीपींस के रक्षण को भेदकर स्कोर करना उसके लिए असंभव साबित हुआ। दिन के अन्य मुकाबलों में, कोलंबिया ने दक्षिण कोरिया को ग्रुप-एच में 2-0 से मात दी। स्विट्ज़रलैंड और नॉर्वे ने ग्रुप-ए में गोलरहित ड्रा खेला।

जीत के बाद फिलीपींस के कोच बोले- अभी काम खत्म नहीं हुआ है...

फिलीपींस के कोच ऐलन स्टैजिक इस उत्साहजनक जीत के बाद खुश थे लेकिन उन्होंने कहा कि अभी काम खत्म नहीं हुआ है। स्टैजिक ने जीत के बाद कहा, पिच पर बहुत भावनात्मक माहौल था। यकीन नहीं हो रहा कि हमने अपने पहले विश्व कप के दूसरे ही मैच में ऐसा किया है। टीम की एकता और मेहनत बेहद खास है। हमारा भाग्य अच्छा था लेकिन हमने इसे भी कमाया है। ईमानदारी से कहूं तो हम जश्न नहीं मनाएंगे। बस आज रात जश्न होगा, कल हम फिर काम पर लौटेंगे। अभी काम पूरा नहीं हुआ है, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार रहें और सोचें कि इस ग्रुप से आगे बढ़ने के लिए हमें अगले मैच में क्या करना है।

न्यूजीलैंड की कोच जित्का क्लिमकोवा ने कहा- यह हार दिल तोड़ने वाली...

दूसरी ओर, न्यूज़ीलैंड की कोच जित्का क्लिमकोवा ने कहा कि यह हार दिल तोड़ने वाली थी, लेकिन उनके पास अब भी एक और मैच बचा है। क्लिमकोवा ने कहा, यह हार दिल तोड़ने वाली थी। मैंने अपने खिलाड़ियों की आंखों में आंसू देखे हैं। मुझे पता है कि उनके परिवार और दोस्तों के सामने खेलना कितना मायने रखता है, लेकिन अभी सब ख़त्म नहीं हुआ है। हमें अभी भी एक मैच खेलना है। स्विट्ज़रलैंड के खिलाफ मैच से पहले हमारे पास अभी भी अपने आप को तैयार करने और दोबारा ध्यान केंद्रित करने का समय है।

युवराज सिंह की मां को ब्लैकमेल कर मांगे 40 लाख

आरोपी महिला 5 लाख लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के स्टार क्रिकेटर रहे युवराज सिंह को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। सिक्सर किंग युवराज की मां शबनम सिंह को धमकी मिली है। इस मामले में आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसने झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर युवराज की मां से 40 लाख रुपए की मांग की थी। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को 5 लाख रुपए लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस मामले में डीएलएफ फेज-1 थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी महिला की पहचान हेमा कौशिक उर्फ डिम्पी के रूप में हुई है। बताया गया है कि युवराज के छोटे भाई जोरावर सिंह हैं। उनके लिए इस आरोपी महिला हेमा को बतौर केयरटेकर रखा गया था। मगर 20 दिन में ही उसे नौकरी से निकाल दिया गया था।

आरोपी महिला ने झूठे केस में फंसाने की धमकी दी : पुलिस को दी गई शिकायत में कहा गया कि अपने बेटे जोरावर की देखरेख के लिए एक महिला मैनेजर/केअर टेकर को काम पर रखा था। मगर उसका व्यवहार और हरकतें ठीक ना होने के कारण उसे काम से हटा दिया था। काम से हटाने के बाद हेमा ने उनके परिवार और बेटे जोरावर को झूठे केस में फंसाने की धमकी थी। साथ ही इमेज खराब करने की धमकी देकर 40 लाख रुपयों की मांग भी की।

डिप्रेशन से जूझ रहे थे युवराज के भाई : आरोपी महिला को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। डीएलएफ फेज-1 में युवराज का घर है। उनकी मां शबनम सिंह ने ही थाने में शिकायत दी है, जिसमें उन्होंने कहा कि साल 2022 में युवराज के भाई जोरावर की केयरटेकर के तौर पर हेमा को काम पर रखा गया था। जोरावर बीते कई सालों से डिप्रेशन की बीमारी से जूझ रहा है। शबनम ने बताया कि हेमा को 20 दिन बाद ही काम से हटा दिया गया। हेमा को काम से निकालने के पीछे कारण बताया था कि वो प्रोफ़ेशनल नहीं थी। साथ ही जोरावर सिंह को अपने जाल में फंसा रही थी।

रिंकू ने खेलो इंडिया के तहत जालंधर में नए स्टेडियम की मांग की

जालंधर, एजेंसी। पंजाब में जालंधर लोकसभा सीट के सदस्य सुशील कुमार रिंकू ने मंगलवार को संसद परिसर में केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ एक संक्षिप्त बैठक की, जिसमें उन्होंने 'खेलो इंडिया' योजना के तहत अपने संसदीय क्षेत्र में नए खेल स्टेडियम बनाने की मांग की। सांसद ने कहा कि केंद्रीय मंत्री को जालंधर जिले की खेल विरासत के बारे में अवगत कराया गया और उनकी मांग पर विचार करने का अनुरोध किया गया ताकि युवाओं को नशे की बुराई से दूर रखा जा सके। उन्होंने उल्लेख किया कि ठाकुर ने जालंधर जिले में नए स्टेडियम स्थापित करने के उनके अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि इसके लिए परियोजना को पर्याप्त भूमि के प्रावधान के साथ राज्य सरकार के माध्यम से केंद्रीय खेल मंत्रालय को भेजा जाना चाहिए। रिंकू ने कहा कि प्रत्येक स्टेडियम के लिए लगभग पांच-छह एकड़ भूमि की आवश्यकता है और इस उद्देश्य के लिए सरकारी भूमि के एक हिस्से की पहचान की जाएगी और परियोजना राज्य सरकार के माध्यम से केंद्रीय खेल मंत्रालय को सौंपी जाएगी ताकि इस संबंध में जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू किया जा सके।

कोलंबो टेस्ट में बारिश, पाकिस्तान ने बनाई बढ़त

दूसरे दिन बारिश के कारण केवल 10 ओवर ही डाले जा सके

कोलंबो, एजेंसी। कोलंबो टेस्ट के दूसरे दिन मंगलवार को बारिश के कारण केवल 10 ओवर ही डाले जा सके, पाकिस्तान ने हालांकि इस दौरान श्रीलंका पर 12 रन की बढ़त बना ली। पाकिस्तान ने दूसरे दिन अपना स्कोर 145/2 से आगे बढ़ाते हुए बिना विकेट गंवाए 178 रन बना लिए।

दिन की शुरुआत 28.4 ओवर से हुई और 39वें ओवर की तीसरी गेंद के बाद अंपायरों ने बारिश के कारण मैच रोकने का फैसला किया। स्थानीय समयानुसार अपराह्न 03:13 बजे तक बारिश न रुकने के बाद दिन का खेल रद्द करने का फैसला लिया गया। दूसरे दिन को खेल रद्द होने तक अब्दुल्लाह शफीक 131 गेंद पर आठ चौकों और दो छक्कों के साथ 87 रन बना चुके हैं, जबकि कप्तान बाबर आज़म 49 गेंद पर तीन चौकों और एक छक्के के साथ 28 रन बनाकर नाबाद हैं। उल्लेखनीय है कि श्रीलंका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 166 रन बनाए।

एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी के लिए 18-सदस्यीय हॉकी टीम घोषित

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी इंडिया ने 2023 एशियाई खेलों से पहले होने वाली हीरो एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी के लिए 18-सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को बताया कि टूर्नामेंट में शीर्ष ड्रैगफ्लिकर हरमनप्रीत सिंह भारत की कप्तानी करेंगी, जबकि मिडफील्डर हार्दिक सिंह टीम के उप-कप्तान होंगे। पीआर श्रीजेश और कृष्ण बहादुर पाठक टीम के नामित गोलकीपर हैं, जबकि जरमनप्रीत सिंह, सुमित, जुगराज सिंह, वरुण कुमार और अमित रोहिदास डिफेंस में हरमनप्रीत का साथ देंगे। विवेक सागर प्रसाद, शमशेर सिंह और नीलकंठ शर्मा हार्दिक की अगुवाई वाली मिडफील्ड में शामिल हैं। प्रो लीग के यूरोपीय चरण में टीम का हिस्सा रहने के बाद मनप्रीत सिंह एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी के लिए मिडफील्ड में वापसी करेंगे। फॉरवर्ड लाइन में आकाशदीप सिंह, मनदीप सिंह, गुरजंत सिंह, सुखजीत सिंह और एस कार्ती शामिल हैं। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर कहा, हमने सावधानीपूर्वक एक ऐसी टीम चुनी है, जिसमें आगे बढ़ने और एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी चेन्नई 2023 में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता है।

प्रणय और किदांबी का विजयी आगाज

जापान ओपन के दूसरे राउंड में होगी एक-दूसरे से टक्कर

टोक्यो, एजेंसी। भारत के शीर्ष शटलर एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत ने मंगलवार को अपने-अपने मुकाबले जीतकर जापान ओपन 2023 के दूसरे दौर में जगह बना ली। विश्व रैंकिंग में 10वें नंबर पर काबिज प्रणय ने विश्व नंबर छह चीन के ली शी फेंग को 21-17, 21-13 से हराया। किदांबी ने पहले चरण में ताइवान के चोउ तिएन चेन को 21-13, 21-13 से मात दी।

किदांबी और प्रणय दूसरे चरण में एक-दूसरे का सामना करेंगे। इस बीच, त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय महिला युगल जोड़ी ने पहले चरण में जीत हासिल की, जबकि रोहन कपूर और एन सिक्की रेड्डी की मिश्रित युगल जोड़ी को हारकर प्रतियोगिता से बाहर होना पड़ा। त्रिशा-गायत्री ने एक घंटे पांच मिनट चले रोमांचक मुकाबले में पहला सेट गंवाने के बाद जापान की सयाका होबारा और युई सुइज़ू को 11-21, 21-15, 21-14 से मात दी। रोहन-सिक्की की जोड़ी हालांकि 53 मिनट चले मैच में पहला गेम जीतने के बाद 21-18, 9-21, 18-21 से हार गई। युवा प्रतिभा आकर्षि कश्यप को 34 मिनट चले महिला एकल मुकाबले में विश्व नंबर एक जापान की अकाने यामागूची से 21-17, 21-17 से हार का सामना करना पड़ा।

सिंधु का सामना चीन की झांग यी मान से आज

पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन और प्रियांशु राजावत सहित कई भारतीय खिलाड़ी बुधवार को अपने-अपने पहले चरण के मुकाबले के लिए कोर्ट में उतरेंगे। सिंधु का सामना पहले चरण में चीन की झांग यी मान से होगा, जबकि लक्ष्य और प्रियांशु पहले दौर में एक-दूसरे का सामना करेंगे। रविवार को कोरिया ओपन 2023 का खिताब जीतने वाली सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी पहले राउंड में इंडोनेशिया के लियो रॉली कार्नांडो एवं डैनियल मार्टिन से भिड़ेगी।

करियर की सर्वश्रेष्ठ दूसरी रैंक पर पहुंचे सात्विक-चिराग

कुआलालंपुर, एजेंसी। दो दिन पहले कोरिया ओपन 2023 का खिताब जीतने वाली सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने मंगलवार को विश्व रैंकिंग में करियर का सर्वश्रेष्ठ दूसरा स्थान हासिल कर लिया। सात्विक-चिराग ने लियांग वेई केंग और वांग चैंग की चीनी जोड़ी को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल किया। भारतीय युवाओं ने कोरिया ओपन के सेमीफाइनल में इस चीनी जोड़ी को हराया था। इस सीज़न में कोरिया ओपन सुपर 500, स्विस ओपन सुपर 300 और इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 खिताब जीतने वाले सात्विक-चिराग अब 87,211 अंकों के साथ विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं। सात्विक-चिराग ने कोरिया ओपन के फाइनल में विश्व की शीर्ष जोड़ी फजर अल्फियान और मोहम्मद रियान आर्दियंतो के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद 17-21, 21-13, 21-14 से जीत दर्ज की थी।

दोहरी खुशी 24 सितंबर को भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे, जनवरी में अफगान से भिड़ंत

इंदौर में फिर दिखेगा क्रिकेट का रोमांच

इंदौर। एक साल में चौथी बार इंदौर के होलकर स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय मैच होने जा रहा है। यह वनडे मैच भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाएगा। यह मैच वर्ल्ड कप के पहले खेला जाएगा। भारत में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वर्ल्डकप की मेजबानी से चूक गए इंदौर के क्रिकेट प्रेमियों को एक बड़ा मैच देखने को मिलेगा।

यह मैच 24 सितंबर को होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाने वाली है। इस सीरीज का दूसरा वनडे मैच 24 सितंबर को इंदौर में खेला जाएगा।

बीसीसीआई ने मार्च तक का होम कैलेंडर जारी किया

बीसीसीआई ने मार्च तक का होम कैलेंडर जारी कर दिया है। इसके अनुसार टीम इंडिया सितंबर से मार्च के बीच 16 इंटरनेशनल मैच खेलेगी। इसमें 5 टेस्ट, 3 वनडे और 8 टी-20 मैच खेले जाएंगे। भारत के होम कैलेंडर की शुरुआत सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे से होगी। यह सीरीज 22 सितंबर से शुरू होगी। वर्ल्ड कप के बाद 23 नवंबर से 5 टी-20 मैचों की सीरीज शुरू होगी। इस सीरीज के बाद अफगानिस्तान और इंग्लैंड की टीमें जनवरी-फरवरी में भारतीय दौरे पर आएंगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज

पहला वनडे	22 सितंबर	मोहाली
दूसरा वनडे	24 सितंबर	इंदौर
तीसरा वनडे	27 सितंबर	राजकोट

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज

पहला टी20	23 नवंबर	विशाखापट्टनम
दूसरा टी20	26 नवंबर	तिरुवनन्तपुरम
तीसरा टी20	28 नवंबर	गुवाहाटी
चौथा टी20	01 दिसंबर	नागपुर
पांचवां टी20	03 दिसंबर	हैदराबाद

दिल्ली के आसपास मौजूद हैं ट्रेकिंग की ये शानदार जगहें, वीकेंड को बना देंगी मजेदार

अधिकतर लोगों को घूमना-फिरना काफी ज्यादा पसंद होता है। ऐसे में लोग छुट्टियां मिलते ही घूमने के लिए निकल जाते हैं। लेकिन कई बार छुट्टियां नहीं मिलने पर हमारे पूरे प्लान पर पानी फिर जाता है। ऐसे में अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। बता दें कि इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से आप वीकेंड पर ट्रैकिंग का आनंद उठा सकते हैं। बता दें कि यह जगह दिल्ली के काफी पास हैं। ऐसे में आपको इन जगहों पर जाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। इन लोकेशन पर आप अपने दोस्तों के साथ जा सकते हैं। बता दें कि उत्तराखंड के निचले हिमालय क्षेत्र की सबसे ऊंची चोटी में नाग टिब्बा ट्रेक का नाम शामिल है। अगर आप भी अपने दोस्तों के साथ ट्रेकिंग का प्लान बना रहे हैं तो आपको यह जगह जरूर एक्सप्लोर करनी चाहिए। 5-6 घंटे के अंदर आप इस इस ट्रैक को पूरा कर सकते हैं। यह जगह नाग टिब्बा एडवेंचर, हॉट डेस्टिनेशन, वीकेंड गेटअवे, विंटर ट्रेक्स के नाम से फेमस है।

केदारकांठा शिखर- भारत में सबसे ज्यादा पसंद किये जाने वाले ट्रैक केदारकांठा शिखर बेहद खूबसूरत जगह है। बता दें कि उत्तरकाशी जिले में गोविंद वन्यजीव अभयारण्य के भीतर केदारकांठा स्थित है। इस जगह को एक्सप्लोर करने के लिए आपके पास 2 दिन का समय होना चाहिए। इस ट्रैक को शुरू करने के लिए आपको सांकरी पहुंचना होगा। वहीं पहले आपको दिल्ली से देहराहून आना होगा। केदारकांठा शिखर देहरादून से करीब 200 किमी दूर स्थित है। केदारकांठा ट्रैक की शुरूआत सांकरी से ही करनी होगा। इस जगह से आप हिमालय का शानदार नजारा देख सकते हैं।

त्रिउंड ट्रैक- इस ट्रैक के बारे में काफी कम लोगों को पता है। निउंड ट्रैक धौलाधार रेंज के निवास में धर्मशाला से 18 किलोमीटर की दूरी पर है। इस ट्रैक को आप मैक्लोडगंज से शुरू कर सकते हैं। यह ट्रैक करीब 9 किमी का ट्रेक है। जिसे 4-6 घंटे में आसानी से पूरा किया जा सकता है। यहां से आप कई खूबसरत व कभी न भूलने वाले नजारों को देख सकते हैं। ऐसे में अगर आप अपने दोस्तों के साथ कोई छोटा ट्रेक प्लान कर रही हैं, तो आपको त्रिउंड ट्रेक पर जरूर जाना चाहिए।

कम्बोडिया में सीपीपी को आम चुनाव में भारी बहुमत

नोम पेन्ह, (एजेंसी)। कम्बोडिया में सत्तारूढ़ कम्बोडियन पीपुल्स पार्टी (सीपीपी) को आम चुनाव में भारी बहुमत हासिल हुआ है। सीपीपी को आम चुनाव में 120 संसदीय सीटों पर जीत मिली जबकि रॉयलिस्ट फनसिनपेक पार्टी शेष पांच सीटें ही जीत पायी है। 125 सीटों वाली नेशनल असेंबली के लिए इस आम चुनाव में कुल 18 राजनीतिक दलों ने भाग लिया था। राष्ट्रीय चुनाव समिति (एनईसी) के प्रारंभिक परिणामों के आधार पर सीपीपी को 120 सीटें जीतीं तथा प्रिंस नोरोडोम चक्रवुथ की फनसिनपेक पार्टी शेष पांच सीटें जीत सकी।

अल्जीरिया :जंगल की आग से मरने वालों की संख्या 34 हुई

अल्जीयर्स, (एजेंसी) अल्जीरिया के जंगल में आग से मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है, इसमें 10 सैनिक भी शामिल हैं। गृह मंत्रालय ने सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया कि 11 प्रांतों में करीब आठ हजार लोग आग का सामना कर रहे हैं। आग से निपटने के लिए 529 ट्रकों और कई अग्निशमन हेलीकॉप्टरों का सहयोग लिया गया है। आग मुख्य रूप से बेजिया, जिजेल और बौइरा प्रांतों में रविवार रात भर लगी रही। तेज हवाओं के कारण आग तेजी से फैल गई जिससे काफी नुकसान हुआ। सोमवार देर रात तक 16 प्रांतों के जंगलों में आग लगने की 97 घटनाएं दर्ज की गईं, जिससे पहले दिन में 15 लोगों मौतें हुई थी जो बढ़कर 34 हो गईं।

मुख्यमंत्री हुड्डा के करीबी कांग्रेस विधायक के घर पर छापा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को हरियाणा के पानीपत में कांग्रेस विधायक धर्म सिंह छोकर के परिसरों पर छापेमारी की। छोकर के बेटे सिकंदर सिंह गुरुग्राम में रियल एस्टेट व्यवसाय में हैं और माहिरा ग्रुप नामक एक फर्म चलाते हैं, जिस पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। छोकर को हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का करीबी माना जाता है। सूत्रों ने बताया कि ईडी की टीमों ने छोकर की संपत्तियों और पेट्रोल पंपों के दस्तावेजों की जांच की और उनके अन्य व्यवसायों के बारे में भी पूछताछ की। ईडी की छापेमारी छोकर के जीटी रोड स्थित आवास पर हुई।

बिन आंखों के जन्मे बच्चे का इलाज करवाएंगे सोनू

मुंबई,(एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद बिन आंखों के जन्मे बच्चे का इलाज करवाएंगे। बिहार के नवादा में जिस बच्चे का जन्म हुआ है, उसकी आंखे नहीं है। गरीबी के कारण परिवार अपने बच्चे का इलाज नहीं करवा पाया। किसी ने गुलशन नाम के इस बच्चे का वीडियो सोशल मीडिया पर डाल दिया, जो सोनू सूद तक पहुंच गया। इस वीडियो को देखने के बाद सोनू सूद ने गुलशन का इलाज करवाने का जिम्मा उठाया और ट्वीट करते हुए लिखा-'चल बेटा गुलशन, इलाज का समय हो गया, अब अपनी आंखों से दुनिया देख।' सोनू सूद गुलशन की आंखों का इलाज मुंबई में कराएंगे। सोनू सूद ने गुलशन के पिता राजेश चौहान और मां किरण

दिल्ली में गिरा बिल्डिंग का छज्जा, मां-बेटे की मौत

दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के पंजाबी बाद में एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक बिल्डिंग का छज्जा गिर गया। जिसके मलबे में दबने से एक महिला और 3 साल के बच्चे की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार इमारत काफी पुरानी है। घटना दोपहर 1 बजे की है। इस हादसे में दो लोग घायल हो गए हैं। उन्हें पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिस समय हादसा हुआ। महिला का परिवार घर से अंदर सो रहा था। वहीं, हादसे के बाद मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे और मलबे को हटाने में जुट गए।

आज का इतिहास

- 1788: न्यूयॉर्क अमेरिका का 11वां राज्य बना।
- 1844: भारत के प्रमुख शिक्षाविद् गुरुदास बनर्जी का जन्म।
- 1876: कलकत्ता में इंडियन एसोसिएशन की स्थापना।
- 1945: विंस्टन चर्चिल ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया।
- 1951: नीदरलैंड ने जर्मनी के साथ युद्ध समाप्त किया।
- 1953: कम्युनिस्ट क्रांतिकारी फ़िदिल कास्त्रो के नेतृत्व में क्यूबा की क्रांति की शुरुआत।
- 1956: मिस्र का स्वेज नहर पर कब्जा।
- 1957: ग्वाटेमाला के तानाशाह कार्लोस कैस्टिलो अरमास की हत्या।
- 1965: मालदीव ब्रिटेन से स्वतंत्र हुआ।
- 1974: फ्रांस ने मुरूओरा द्वीप में परमाणु परीक्षण किया।
- 1997: श्रीलंका ने क्रिकेट एशिया कप जीता।

सिडनी के ओपेरा हाउस से बड़ा होगा आईटीपीओ, मोदी करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रगति मैदान में नए सिरे से तैयार भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) कॉम्प्लेक्स सितंबर में भारत के नेतृत्व में जी-20 नेताओं की बैठक की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। जी-20 नेताओं का शिखर सम्मेलन 9-10 सितंबर को होगा जो देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित जी-20 बैठकों का समापन होगा।

वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार 26 जुलाई को इस पुनर्विकसित परिसर का उद्घाटन करेंगे हैं। प्रगति मैदान पुनर्विकास परियोजना के तहत आईईसीसी (एकीकृत प्रदर्शनी एवं कन्वेंशन सेंटर) को एक आधुनिक परिसर के तौर पर तैयार किया गया है। परियोजना की कुल लागत 2,254 करोड़ रुपए है।

मंत्रालय ने बताया, लगभग 123 एकड़ क्षेत्र के साथ यह परिसर दुनिया के शीर्ष 10 प्रदर्शनी और सम्मेलन परिसरों में से एक है। सम्मेलन केंद्र के 'लेवल-3' पर 7,000 लोगों के बैठने की क्षमता है, जो इसे ऑस्ट्रेलिया के ऐतिहासिक सिडनी ओपेरा हाउस से अधिक बड़ा बनाता है, जहां तकरीबन 5,500 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। अधिकारियों के अनुसार, यह विशेषता आईईसीसी को वैश्विक पैमाने पर बड़े सम्मेलन, अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए उपयुक्त स्थान बनाती है।

27-28 को गुजरात दौरे पर पीएम राजकोट हवाईअड्डे का करेंगे उद्घाटन

राजकोट। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 और 28 जुलाई को गुजरात के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह राजकोट में नवनिर्मित हीरासर हवाईअड्डे का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश के अवसरों पर ध्यान आकर्षित करने के लिए राज्य की राजधानी गांधीनगर में एक कार्यक्रम 'सेमीकॉन इंडिया 2023' का भी उद्घाटन करेंगे। जिलाधिकारी प्रभाव जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 27 जुलाई को राजकोट शहर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करने से पहले हीरासर ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे को राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

फांगनोन कोन्याक रास कार्यवाही का संचालन करने वाली नगालैंड की पहली महिला सदस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के संसदीय इतिहास में राज्यसभा में नगालैंड से पहली महिला सदस्य एस. फांगनोन कोन्याक ने मंगलवार को सदन की कार्यवाही का सफलता पूर्वक संचालन किया और छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जनजातियों की सूची में 12 और जातियों को शामिल करने से संबंधित संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश (पांचवां संशोधन) विधेयक 2022 पारित कराया।

श्रीमती कोन्याक ने 17 जुलाई को सदन के उप सभापति के पैनल में नियुक्त होने वाली नगालैंड से पहली महिला सदस्य बनकर इतिहास रचा था। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने पिछले सप्ताह पैनल में कुल आठ सदस्यों के 50 प्रतिशत यानि चार महिला सदस्यों को उप सभापति पैनल में नामित किया था।

पैनल में नामांकित सभी महिला सदस्य पहली बार सांसद बनी हैं। श्रीमती कोन्याक भाजपा से हैं। वह अप्रैल, 2022 में नागालैंड से राज्यसभा सदस्य के रूप में चुनी जाने वाली पहली महिला हैं और संसद या राज्य विधानसभा के किसी भी सदन के लिए चुनी जाने वाली राज्य की दूसरी महिला हैं। वह संसद की परिवहन, पर्यटन और संस्कृति समिति, उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्रालय की सलाहकार समिति, महिला सशक्तिकरण समिति, सदन समिति तथा उत्तर-पूर्वी इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य और चिकित्सा विज्ञान संस्थान, शिलांग की संचालन परिषद की सदस्य हैं। श्रीमती कोन्याक के अलावा श्रीमती पीटी उषा, डॉ. फौजिया खान और श्रीमती सुलता देव को भी उप सभापति पैनल में शामिल किया गया है।

मिली बधाईयां

डिप्टी सीएम और राज्य के वरिष्ठ भाजपा नेता वाई पैटन ने नई जिम्मेदारी संभालने पर फांगनोन को बधाई दी है। पैटन ने ट्वीट में लिखा कि उनका नामांकन उनके उल्लेखनीय समर्पण का प्रमाण है। बता दें कि मार्च 2022 में एस फांगनोन नगालैंड से राज्यसभा सांसद के रूप में चुनी जाने वाली पहली महिला बनीं थीं। इसके अलावा वह संसद के किसी भी सदन - लोकसभा और राज्यसभा के लिए चुनी जाने वाली नगालैंड की दूसरी महिला राजनीतिज्ञ हैं। इससे पूर्व फांगनोन नगालैंड भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष भी थीं।

जैविक विविधता (संशोधन) बिल लोकसभा से पारित

नई दिल्ली (ब्यूरो)। लोकसभा में मणिपुर के मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच मंगलवार को जैविक विविधता (संशोधन) विधेयक, 2022 को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। केंद्रीय वन और पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने संक्षिप्त चर्चा के जवाब में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने पिछले नौ वर्ष में विभिन्न क्षेत्रों में खासकर पर्यावरण के क्षेत्र में बहुत योगदान दिया है। जैव विविधता अधिनियम 1992 में लाया गया था और पिछले लगभग 30 वर्ष में इससे जुड़ी विभिन्न समस्याएं सामने आई इसलिए जैव विविधता संरक्षण के लिए तथा समान बंटवारे के लिए यह संशोधन किये जाने जरूरी हो गये थे।

बहु-राज्य सहकारी सोसायटी संशोधन बिल लोस से पारित

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने आयुष मंत्रालय बनाया जिसने जैव विविधता से जुड़े उत्पादों के उपयोग पर काम किया और इस क्षेत्र में अनुसंधान तथा आकदमिक सहयोग बढ़ाने के लिए संशोधन आवश्यक लगे और इस लिहाज से यह संशोधन विधेयक लाया गया। श्री यादव ने कहा कि इस विधेयक को संसद की संयुक्त समिति को भेजा गया था जिसकी रिपोर्ट के आधार पर मौजूदा संशोधन विधेयक लाया गया है। केंद्रीय मंत्री के जवाब के बाद सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को मंजूरी दे दी।

आयकर विभाग ने एक लाख करदाताओं को भेजा नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयकर विभाग ने देश के 1 लाख टैक्सपेयर्स को नोटिस भेजा है। इस बात की जानकारी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शेयर की है। ये नोटिस इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करते समय दी गई गलत जानकारी को लेकर भेजे गए। वित्त मंत्री ने 164वें आयकर दिवस समारोह के दौरान ये जानकारी दी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि आयकर विभाग ने 1 लाख लोगों को नोटिस भेजा है। ये नोटिस उन टैक्सपेयर्स को भेजा गया, जिन्होंने या तो अपनी आय घोषित नहीं की है या फिर आय को कम बताया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताई वजह

नींद के चलते होने वाले रोड एक्सीडेंट पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन आर्मी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-बेस्ड एक ऐसे डिवाइस को विकसित किया है जो कि एक्सीडेंट रोकने में मदद करेगा। भारतीय सेना को इस डिवाइस को डेवलप करने के लिए पेटेंट सर्टिफिकेट भी मिल गया है।

इंडियन आर्मी ने बनाया एआई-बेस्ड खास डिवाइस

दरअसल, एआई-बेस्ड ये डिवाइस सड़क दुर्घटनाओं के पहले एक अलार्म बजाकर वाहन चालक को सचेत करेगा। खासतौर पर तब, जब वाहन चालक को नींद आ रही हो। सेना का कहना है कि इससे एक्सीडेंट पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। भारतीय सेना के अधिकारी कर्नल कुलदीप यादव ने इसे विकसित किया है। और इसके पेटेंट के लिए उन्होंने साल 2021 में ही आवेदन किया था, जिसे अब सर्टिफाई कर दिया गया है।

मणिपुर में वायरल वीडियो मामले में कई गिरफ्तार

इंफाल, (एजेंसी)। इम्फाल के चुराचांदपुर जिले में पिछले तीन मई को दो जातीय समूहों के बीच शुरू हुई झड़पों के बाद हाल ही में राज्य में 80 वर्षीय महिला को जलाने, महिलाओं को बिना कपड़ों के घुमाने, यातना देने और युवकों को जिंदा जलाने समेत कई चौंकाने वाले वीडियो सामने आए हैं। इनमें कुछ वायरल वीडियो सही नहीं हैं जिसपर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कई लोगों को गिरफ्तार किया है।

मणिपुर में 83 दिन बाद इंटरनेट बहाली के आदेश हुए। कुछ शर्तों के साथ ब्रॉडबैंड सर्विस मिलेगी। मिजोरम में कुकी समर्थकों ने रैली निकाली।मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के मुताबिक, युवा लड़कियों समेत स्कूली बच्चों के अपहरण और हत्या की भयावह कहानियां भी सामने आ रही हैं। विभिन्न लोगों द्वारा 6,000 से अधिक एफआईआर दर्ज की गईं, जिनमें एक बलात्कार का एक मामला भी शामिल था। मणिपुर हिंसा के खिलाफ मिजोरम के आईजोल में हजारों लोगों ने प्रदर्शन किया, जिसमेमुख्यमंत्री भी शामिल हुए।

83 दिनों बाद इंटरनेट कुछ शर्तों संग बहाल

महिला संग जवान ने छेड़खानी की, BSF ने सस्पेंड किया

मणिपुर हिंसा के बीच महिला से छेड़छाड़ का एक और वीडियो सामने आया है। इसमें एक किराने की दुकान पर बीएसएफ जवान महिला के साथ छेड़छाड़ करता नजर आ रहा है। इंफाल का यह वीडियो 20 जुलाई का बताया जा रहा है। आरोपी हेड कॉन्स्टेबल सतीश प्रसाद के रूप में हुई है। घटना सामने आने के बाद बीएसएफ ने आरोपी को सस्पेंड कर दिया और उसके खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वीडियो में देखा जा सकता है कि वर्दी पहने हुए जवान एक महिला को जबरदस्ती छूने की कोशिश कर रहा है। जवान के पास राइफल भी है। वीडियों में महिला उसे बार-बार रोक रही है, फिर भी वो छेड़खानी कर रहा है।

पाकिस्तान पहुंची अंजू ने कुबूल किया इस्लाम फातिमा बनकर नसरुल्लाह से किया निकाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। फेसबुक फ्रेंड से मिलने हिन्दुस्तान से पाकिस्तान गई अंजू ने अब वहां धर्म परिवर्तन कर अंजू से फातिमा बन गई है। उसने धर्म परिवर्तन कर अपने दोस्त नसरुल्लाह से निकाह कर लिया है।

बता दें कि वीजा लेकर पाकिस्तान गई अंजू ने पहले कहा था कि वो बस अपने फेसबुक फ्रेंड से मिलने वहां गई और कुछ दिनों में लौट आएगी। हालांकि अब पाकिस्तान से उसके निकाह कर लेने की खबरें सामने आई है। अंजू भारत में पहले से शादीशुदा है और उसके दो बच्चे भी हैं। अंजू धर्म परिवर्तन करने से पहले ईसाई थी।

नसरुल्लाह ने निकाह से किया इनकार

हालांकि निकाह के बाद जब नसरुल्लाह से बातचीत की तो उसने शादी की बात से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं नसरुल्लाह ने ये भी कहा कि अंजू (फातिमा) उनकी दोस्त है और वो उससे प्यार नहीं करते हैं। हालांकि इस बीच दोनों का निकाहनामा सामने आया गया, जो नसरुल्लाह के दावों पर सवाल खड़ा कर रहा है।

कोझिकोड से मस्कट जा रही फ्लाइट में तकनीकी खराबी

कोझिकोड। केरल के कोझिकोड से मस्कट जा रही ओमान एयर की फ्लाइट को उड़ान के कुछ मिनट बाद ही लौटना पड़ा। लेकिन उसकी लैंडिंग तुरंत नहीं हो सकी। दरअसल, पायलट ने उतरने से पहले प्लेन का वजन कम करने के लिए ईंधन जलाया और 2 घंटे से ज्यादा समय तक कालीकट एयरपोर्ट का चक्कर लगाता रहा। एयरपोर्ट अधिकारी के मुताबिक, फ्लाइट डब्ल्यूवाय 298 ने 169 लोगों के साथ सुबह 9.15 बजे एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी, लेकिन कुछ ही मिनट में इसे वापस लैंड कराया गया।

दिल्ली में केंद्र के अध्यादेश को कैबिनेट से मिली मंजूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में अफसरों की पोस्टिंग-ट्रांसफर पर नियंत्रण से जुड़े अध्यादेश को केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। अब केंद्र जल्द ही अध्यादेश को सदन में पेश करेगा।

अब संसद में पेश किया जाएगा

आप सदन में इस बिल का विरोध करेगी। उसे इस मामले में विपक्षी दलों का भी सपोर्ट हासिल है। दरअसल, केंद्र ने 19 मई को अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग पर अध्यादेश जारी किया था। अध्यादेश में उसने सुप्रीम कोर्ट के 11 मई के उस फैसले को पलटा, जिसमें ट्रांसफर-पोस्टिंग का अधिकार दिल्ली सरकार को मिला था।

केंद्र ने अध्यादेश के जरिए दिल्ली में अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग के अधिकार उपराज्यपाल को दे दिए थे। दिल्ली सरकार इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी। इस पर सीजेआई चंद्रचूड़ ने 17 जुलाई को कहा कि हम यह मामला पांच जजों की संविधान पीठ को भेजना चाहते हैं।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर करते हुए कहा था कि संविधान का आर्टिकल 246(4) संसद को भारत के किसी भी हिस्से के लिए और किसी भी मामले के संबंध में कानून बनाने का अधिकार देता है जो किसी राज्य में शामिल नहीं है।

डोभाल ने की वांग यी से मुलाकात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य और सीपीसी में विदेश मामलों के आयोग के कार्यालय के निदेशक वांग यी से मुलाकात की और भारत चीन सीमा पर सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बहाल करने के लिए निरंतर प्रयासों के परिणाम लाने पर जोर दिया। इस मुलाकात में श्री डोभाल ने कहा कि कि 2020 से भारत-चीन सीमा के पश्चिमी क्षेत्र में एलएसी पर स्थिति ने रणनीतिक विश्वास और रिश्ते के सार्वजनिक और राजनीतिक आधार को खत्म कर दिया है।

कुल्लू में बादल फटने से घरों को नुकसान, पुल बहे

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले की गड़सा घाटी में मंगलवार सुबह बादल फटने से क्षेत्र के कुछ मकानों एवं कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा और इलाके की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दो पुल बह गए हैं और भुंतर-गड़सा सड़क कई स्थानों पर टूट गई है। उन्होंने बताया कि राजस्व विभाग ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। कुल्लू के उपायुक्त आशुतोष गर्ग ने बताया कि गड़सा और कुरला पंचायत में पांच घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए जबकि 15 घरों को आंशिक रूप से नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों के मुताबिक, बादल फटने से इलाके में विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई है और कुछ सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं। हिमाचल में 24 दिन में 27 बार बादल फटे, 158 की मौत हो गई।

नोएडा में 500 वाहन डूबे

यमुना के बाद अब हिंडन नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इससे यूपी के गौतमबुद्ध नगर सहित कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। नोएडा के ईको-टेक इलाके में 500 वाहन डूब गए हैं। हिंडन नदी के खतरे का निशान 205.8 मिमी है। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल यह 201.5 मिमी है और नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।

Filmiतड़का

'रॉकी और रानी...' के प्रीमियर में पत्नी आलिया भट्ट संग पहुंचे रणबीर कपूर, एक्स गर्लफ्रेंड से हुआ सामना

मुंबई। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के ग्रैंड प्रीमियर पर आलिया भट्ट ब्लैक लूट टीशर्ट और लूज डेनिम पहने पति रणबीर कपूर के साथ दिखाई दीं। रणबीर ने इस दौरान ब्लैक फुल स्लीव्स टी शर्ट और ब्लैक ट्राउजर पहना हुआ था। रणबीर आलिया इस दौरान साथ में काफी खूबसूरत लग रहे थे। रणबीर पत्नी आलिया संग इस फिल्म को सपोर्ट करने पहुंचे थे। तभी उनका सामना कुछ पुराने चेहरों से हो गया। जी हां, रणबीर कपूर जब आलिया के साथ प्रीमियर पर पहुंचे तो उनका सामना कैटरीना कैफ से हुआ। कैटरीना कैफ करण जौहर डायरेक्टिड फिल्म के प्रीमियर पर अपने पति विक्की कौशल के साथ पहुंची थीं। कैटरीना कैफ व्हाइट मिडी ड्रेस और ब्लैक लेदर बूट्स पहने दिखाई दीं। वहीं विक्की कौशल ब्लू डैनिम शर्ट और जींस में दिखाई दिए।

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता गुलशन देवैया की आने वाली फिल्म 'गंस एंड गुलाब्स' से उनका लुक रिलीज हो गया है। गन्स एंड गुलाब्स एक कॉमेडी क्राइम थ्रिलर है जो राज और डीके द्वारा निर्मित और निर्देशित है। यह 90 के दशक के अपराध और हिंसा की दुनिया पर आधारित है।

गंस एंड गुलाब्स' गंस एंड गुलाब्स 'से गुलशन देवैया का लुक रिलीज

इस फिल्म में राजकुमार राव, दुलकर सलमान, आदर्श गौरव और टीजे भानु मुख्य भूमिकाओं में हैं। 'गंस एंड गुलाब्स'से गुलशन देवैया का लुक रिलीज हो गया है। कहा जा रहा है कि गुलशन का गेटअप 90 के दशक के संजय दत्त के लुक से काफी प्रेरित है।

प्रोफेसर डॉ. आनंद कुमार सिंह अखिल भारतीय अटल बिहारी वाजपेयी पुरस्कार से हुए सम्मानित

मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी ने डॉ०आनंद सिंह को उनकी कृति के लिए किया पुरस्कृत

प्रखर गाजीपुर। जनपद की साहित्यिक उर्वरा भूमि ने एक से बढ़कर एक साहित्यकारों, रचनाकारों और मूर्धन्य विद्वानों समीक्षकों आलोचकों के मूर्धन्यता का लोहा मनवाने को विवश किया है। प्रतिभा पांडित्य के अपार पारावारों ने साहित्य के संबर्धन में अपना बहुमूल्य योगदान देकर साहित्य को समृद्ध शाली बनाने में कोई कमी आड़े आने नहीं दिया ।उन्हीं में से एक गौरव सत्यदेव ग्रुप आफ कालेजेज के सीएमडी प्रसिद्ध युवा प्रखर साहित्यकार, रचनाकार प्रोफेसर डॉ. आनंद सिंह को मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी ने अखिल भारतीय अटल बिहारी वाजपेयी पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया। यह पुरस्कार डा० आनंद सिंह को उनके कृति अथर्वा मैं वही वन हूं के लिए दिया गया है। भोपाल के रविंद्र भवन में आयोजित समारोह में सांस्कृतिक मंत्री ऊषा ठाकुर और अभिनेता आशुतोष राणा ने डा. आनंद को एक लाख रुपया और प्रशस्ति पत्र व अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया। ज्ञातव्य है कि इसके पहले भी डा. आनंद कुमार सिंह को 2014 में अखिल भारतीय रामचंद्र शुक्ल पुरस्कार उनके कृति सन्नाटे का छंद के लिए दिया गया था। उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ द्वारा भी सन् 2014 और 2021 में दोनों कृतियों के लिए सम्मानित किया गया था। डा. आनंद कुमार सिंह की पहचान पिछले बीस वर्षों में एक कवि और आलोचक के रूप में है। उनकी पहली सहयोगी पुस्तक गणपति ऑकल्ट है जिसमें उन्होंने गणेश का रूपायन किया है। दूसरी पुस्तक शक्ति ऑकल्ट में आनंद ने आचार्य शंकर विरचित सौंदर्य लहरी का हिंदी में काव्यानुवाद किया और तीसरी पुस्तक शिव ऑकल्ट में आचार्य पुष्पदंत के अति प्रसिद्ध स्तुतिकाव्य शिवमहिम्न का हिंदी और अंग्रेजी कविता मेंअनुवाद प्रकाशित किया। तत्पश्चात अज्ञेय की कविताओं पर व्याख्यात्मक आलोचना की पुस्तक सन्नाटेका छंद प्रकाशित हुई जिसे अनेक अखिल भारतीय पुरस्कार भी प्राप्त हुए। आलोचना के साथ ही आनंद ने कविता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित की है। आनंद की काव्यानुभूति में पर्यावरण और अस्तित्व के प्रति गहन सौंदर्य की निष्ठा सौंदर्य जल में नर्मदा नामक काव्य पुस्तक में फूट पड़ी जिसे आलोचकों ने पर्यावरणीय चेतना का अद्भुत काव्य कहा है। उनकी दूसरी कविता पुस्तकअथर्वा मैं वही वन हूँ नामक महाकाव्यात्मक कृति इक्कीसवीं सदी के सामाजिक यथार्थ को मनोजगत के विराट विस्तार में ले जाती है तथा मानवता के प्रासंगिक प्रश्नों पर नए विमर्श खड़े करती है। इस तरह वह एक ओर हिंदी साहित्य की पारंपरिक कविता के प्रवाह को जनोन्मुखी करती हुई उसे अध्यात्म और राजनीति का वह तेवर भी प्रदान करती है जिसके लिए साहित्य की जरूरत होती है। इस पुस्तक पर अक्षरा (मई २०२२) का विशेषांक प्रकाशित हुआ जिससे इसका महत्व बढ़ जाता है। आनंद की एक लंबी कविता विवेकानंद इसी पत्रिका के अथर्वा विशेषांक में प्रकाशित हुई है जिसे निराला द्वारा तुलसीदास में प्रयुक्त छंद में सफलतापूर्वक रचा गया है। यह कविता स्वामी जी के कन्याकमारी प्रवास के तीन दिनों के फ़्लैशबैक में भावी विवेकानंद के स्वप्नों को नए मनोलोक में घटित करती हुई सांस्कृतिक जागरण के उस स्वर को उद्दीप्त करती हैजो भारत की मुक्ति के लिए बहुत आवश्यक जागरण स्वर माना गया है। डा. आनंद कुमार सिंह ने अपनी प्रभावी उपस्थिति से हिंदी कविता के भरोसे को सुदृढ़ किया है जिसके लिए उन्हें अनेक संस्थाओं द्वारा बार बार पुरस्कृत किया गया है।

सर्राफा की दुकान में चोरी

प्रखर दुल्लहपुर गाजीपुर। क्षेत्र के सिखड़ी बाजार स्थित सरार्फा व्यवसाई शंभू नाथ वर्मा की दुकान से मंगलवार की रात चोरों ने शटर का ताला तोड़कर दुकान में रखा आधा किलो चांदी का नया पायल व आधा किलो पुराने चांदी का आभूषण 10 ग्राम सोने का कतरन व एक हजार नकदी लेकर फरार हो गए। सुबह दुकान का ताला टूटा देखकर व्यवसाई को इसकी जानकारी मिली। मालूम हो कि शंभूनाथ वर्मा की सिखड़ी बाजार में आभूषण की दुकान है। प्रतिदिन की तरह मगंलवार की शाम दुकान बंद करके गांव में बने आवास पर चले गए। सुबह अगल बगल के दुकानदारों ने उन्हें चोरी की सूचना दी। तब वह दुकान पर पहुंचे। चोरी कीसूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस व सीओ रविंद्र कुमार वर्मा, एसओ अशोक कुमार मिश्रा ने छानबीन किया। पीड़ित शंभू नाथ वर्मा ने अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी। एसओ ने बताया कि दो दिन पूर्व आपरेशन दृष्टि के तहत हल्का दारोगा होरिल यादव शंभूनाथ वर्मा के दुकान पर पहुंचे थे सुरक्षा के दृष्टि से उन्होंने शंभुनाथ से सीसी कैमरा लगवाने की सलाह दी थी। जिस पर दुकानदार ने रोल्ड गोल्ड के सामान की बिक्री का हवाला देकर लगवाने से मना कर दिया था।

सख़्त सुरक्षा में निकला अलम का जुलूस, अकीदत मन्दों ने इमामबाड़ा पहुँचकर पढ़ा फातिहा

प्रखर खेतासराय जौनपुर। नगर में बुधवार को सातवीं मोहर्रम का जुलूस पुलिस के कड़ी सुरक्षा में निकला। हजरत अब्बास अलमबरदार की याद में अलम का जुलूस अलग अलग ग्रुप में शहीदी चौक से शुरू हुआ । विभिन्न चौक होकर ताजियेदार शाम को इमामबाड़ा पहुँचकर फातिहा पढ़ा । सुरक्षा की कमान डीएसपी शाहगंज शुभम तोदी खुद संभाले हुए थे । जुलूस में शामिल ताजियेदारो द्वारा तबल बजाते चल रहे थे, जगह जगह लोगों ने शर्बत और तबर्रुक भी तकसीम किया गया । देढ़ दर्जन ताजियेदारो का समूह सायंकाल इमामबाड़ा पहुँचकर फातिहा पढ़ा । पुनः उसी मार्ग ताजियेदार अपने अपने चौक पहुँचे । जुलूस का नेतृत्व मो असलम खान, महमूद खान और जुबेर इदरीसी ने संयुक्त रूप से किया । सुरक्षा के लिहाज से एसएचओ राजेश कुमार यादव चक्रमण करते दिखे । एलआईयू के अधिकारी भी जुलूस पर नजर गड़ाए रहे । यातायात में खलल न पड़े इसके लिए ट्रैफिक पुलिस भी चौकस दिखी। इस मौके पर प्रमुख रूप से चेयरमैन वसीम अहमद, परवेज अंसारी, जाहिद फारूकी, गुफरान फारूकी, सरफराज खां, तालिब अहमद, राजू समेत अन्य लोग रहे ।

प्रसिद्ध भारतीय लेखक एवं राजनीतिक विश्लेषक शान्तनु गुप्ता का विद्यार्थियों से संवाद

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। संत अतुलानंद कॉन्वेंट स्कूल कोइराजपुर के परिसर में प्रसिद्ध भारतीय लेखक एवं राजनीतिक विश्लेषक शान्तनु गुप्ता को अपने मध्य पाकर सभी विद्यार्थी हर्ष एवं उत्साह से भर उठे` रामायण स्कूल के संस्थापक शान्तनु गुप्ता ने अपनी पुस्तक अजय टू योगी आदित्यनाथ के माध्यम से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के जीवन पर आधारित बायोग्राफी को सुन्दर सचित्र उत्तर कथा के रूप में प्रस्तुत किया है जिसमें उन्होने उनके बचपन से लेकर मुख्यमंत्री बनने तक के सफर को ग्राफिक नॉवेल के रूप में उकेरा है उन्होने अपनी देश- विदेश की यात्रा का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के माता-पिता, गुरू एवं संगी-साथियो से जुड़े अनेक मनोरंजक किस्सो को भी साझा किया तथा विद्यार्थियों से संवाद भी किया और उनका उचित मार्गदर्शन किया। साथ ही साथ उन्होने विद्यार्थियों को इस बात के लिए विशेष प्रेरित किया कि उनमें वाचन कौशल के साथ-साथ लेखन कौशल का भी विकास होना चाहिए उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री के संघर्ष की यह यात्रा पूरे उत्तर प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रेरणादायी है उनकी पूरी पुस्तक अजय सिंह विष्ट के छोटे से गाँव में जन्म से लेकर मुख्यमंत्री योगी आादित्यनाथ बनने की यात्रा का वृत्तान्त है` इस कार्यक्रम में संस्था के सह-निदेशक आयुष्मान सिंह शान्तनु गुप्ता के प्रति विशेष कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि आपकी प्रेरणादायी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन से हमारे विद्यार्थी अवश्य लाभान्वित होगे तथा उनके भीतर नेतृत्व एवं लेखन कौशल का विकास होगा` विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. नीलम सिंह ने कहा कि समाज के ऐसे महानायको की जीवनी को ग्राफिक अवतार के जरिये अनेक भाषाओं में पढ़ा जाना अपने आप में रोमांचकारी है जिससे हमारे विद्यार्थी निश्चित रूप से प्रेरणा लेंगे। कार्यक्रम का संचालन शेफाली श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

निःशुल्क चल रहे अंग्रेजी भाषा कार्यशाला के प्रतिभागी हुए सम्मानित

जौनपुर। शिराज-ए-हिन्द की सरजमीं जौनपुर में आम जनमानस के लिए अंग्रेजी भाषा व साहित्य का पर्याय बन चुकी संस्था रेनेसेन्सः ऐन इंस्टिट्यूट ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज ऐंड लिट्रेचर, जौनपुर द्वारा विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी ग्रीष्मकालीन एक महीने अंग्रेजी भाषा की कार्यशाला चलायी गयी, जिसमें आनलाइन व आफलाइन सत्र में सैकड़ो छात्र - छात्राएं, अधिकारी वर्ग समेत अन्य आमजनमास सम्मिलित होकर लाभान्वित हुए। आज कार्यशाला के समापन के अवसर पर संस्थापक कुँवर शेखर गुप्ता द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भदोहीं की जिला उद्यान अधिकारी श्रीमती ममता सिंह यादव एवं विशिष्ट अतिथि के तौर पर तिलकधारी महाविद्यालय शिक्षक-शिक्षा संकाय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर गीता सिंह का उद्बोधन व मार्गदर्शन छात्र - छात्राओं को प्राप्त हुआ, इस अवसर पर कार्यशाला में प्रतिभागी एकता जायसवाल, नेहा पाल, निधि शर्मा, जान्हवी श्रीवास्तव, स्नेहा सिंह, मानसी सिंह, प्रीति, आदित्य अग्रहरि, दीक्षा सिंह, राज श्रीवास्तव, कृतिका सिंह समेत कार्यशाला में अच्छा प्रदर्शन करने वाले अव्वल छात्र - छात्राओं को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। जिला उद्यान अधिकारी ने अंगेजी भाषा की व्यापकता पर विस्तार से चर्चा करते हुए अंग्रेजी भाषा की कार्यशाला को बहुत ही महत्वपूर्ण कदम बताया। डॉ गीता सिंह ने सभी बच्चो को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते अंग्रेजी भाषा की स्वीकार्यता पर उचित निर्देश दिए। संस्थापक कुँवर शेखर गुप्ता ने छात्रो को संबोधित करते हुए कहा कि अंग्रेजी भाषा की कार्यशाला आयोजित करने का उद्देश्य लोगों में अंग्रेजी भाषा के प्रति जागरुकता लाना, भाषायिक कौशल में अपरिपक्वता के चलते बढ़ती बेरोजगारी को दूर करना एवं कमजोर पारिवारिक पृष्टभूमि के कारण उच्च शिक्षा न प्राप्त करने वालो को भी अंग्रेजी भाषा का समुचित ज्ञान प्रदान करना है एवं आमजनमास के हितार्थ ऐसी कार्यशाला निरंतर रूप से आगामी वर्षों में भी संस्था द्वारा आयोजित की जाती रहेगी।

पूर्व मंडी अध्यक्ष संजय चोपड़ा द्वारा कारगिल विजय दिवस के अवसर पर वीर अमर शहीदों की याद में सार्वजनिक तौर पर किया गए वृक्षारोपण

प्रखर पूर्वान्चल हरिद्वार। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर पूर्व मंडी अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में वीर अमर शहीद सैनिकों को सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ अपने श्रद्धा सुमन अर्पित कर वीर सैनिकों की याद में सेल्फी प्वाइंट पार्क में सार्वजनिक तौर पर फलदार वृक्ष लगाकर वृक्षारोपण किए इस अवसर पर पूर्व मंडी अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा सन 1999 में हमारे देश के वीर जवानों ने एक लंबी जंग लड़ने के उपरांत कारगिल पर. हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया था आज तमाम अमर वीर सैनिकों को शत-शत नमन करते हुए सभी सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ सर्वजनिक तौर पर वृक्षारोपण कर तमाम अमर शहीद वीर सैनिकों को याद किया गया है उन्होंने कहा सामाजिक तौर पर किसी भी उपलब्धि दिवस पर सभी राजनीतिक गैर राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों को सर्वजनिक तौर पर वृक्षारोपण किए जाने चाहिए आज पर्यावरण का सही संतुलन ना होने के कारण उत्तराखंड राज्य के कोने कोने में प्रकृतिक आपदा जैसी स्थिति उत्पन्न हो रही है उन्होंने यह भी कहा राज्य सरकार की और से उत्तराखंड राज्य के अमर शहीद वीर सैनिकों की याद में सभी चौक चौराहों पार्कों में उनकी मूर्तियों का अनावरण किया जाना चाहिए ताकि नई पीढ़ी अमर शहीद वीर सैनिकों की प्रेरणा से देश को नई दिशा दिखा सके` कारगिल विजय दिवस के अवसर पर सार्वजनिक तौर तिरंगा झंडा फहराकर वृक्षारोपण करते सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों में विक्रम ऑटो रिक्शा यूनियन के प्रवक्ता आदेश पंडित, जीप यूनियन के अरुण कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता कुंवर सिंह मंडवाल, राधेश्याम रतूड़ी, लघु व्यापारी नेता राजेंद्र पाल, मोहनलाल, अर्जुन सिंह, कपिल नागी, जय सिंह बिष्ट, गौरव चौहान, ओमप्रकाश कालियान, अशोक शर्मा, नईम सलमानी, चंदन सिंह रावत, व्यापारी नेता राजेश खुराना आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

दिग्विजय सिंह के खिलाफ दाखिल परिवाद में गवाह का बयान हुआ दर्ज

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सोनिया जैन ने कहा दिग्विजय सिंह षड्यंत्र कर रहे हैं, सोनिया जैन का बयान इस प्रकार है जो उनके द्वारा न्यायालय विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एमपी एमएलए कोर्ट वाराणसी उज्जवल उपाध्याय की अदालत में दिया गया है` सोनिया जैन वाइफ पत्नी रॉबीन जैन निवासी मकान नंबर 101 कपूर अपार्टमेंट, सिद्धगिरीबाग थाना सिगरा वाराणसी ने सशपथ बयान दिया है कि मैंने 9 जुलाई 2023 को ट्विटर पर देखा कि कांग्रेस से राज्यसभा सांसद पूर्व सीएम मध्य प्रदेश सरकार दिग्विजय सिंह द्वारा परम पूज्य गोलवलकर जी के बारे में कूट रचित तथ्यों के साथ एक पोस्ट शेयर की गई थी उस पोस्ट को देखने से मुझे यह लगा कि यह पूछ जानबूझकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व भाजपा की छवि खराब करने के लिए और समाज में अंतर धार्मिक और अंतरजातीय विवाद पैदा करने के उद्देश्य से जारी की गई है` यह हम लोग गोलवलकर जी की विचारधारा से विगत कई वर्षों से दलितों अल्पसंख्यकों को जोड़ने का काम कर रहे हैं परंतु दिग्विजय सिंह के इस षड्यंत्र कारी ट्वीट के सोशल मीडिया पर जारी करने से समाज के सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने का खतरा उत्पन्न हो रहा है दिग्विजय सिंह द्वारा जानबूझकर भारत सरकार की निर्वाचित सरकार के खिलाफ लोगों को भड़काकर सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए अल्पसंख्यकों दलितों को भड़काने का षड्यंत्र दिग्विजय सिंह द्वारा कांग्रेस व राहुल गांधी के षड्यंत्र में यह कार्य किया जा रहा है` माधव सदाशिव राव गोलवलकर उर्फ गुरु जी ने अपनी पुस्तक वी ओर अवर नेशन हुड डिफाइड में सामाजिक समरसता का बड़ा संदेश दिया है और उनके इस कृति को अपने जीवन का आदर्श मानती हूँ और उनके आदर्श के आधार पर समाज के सभी वर्गों को एक साथ लाकर संपूर्ण भारत राष्ट्र के उत्थान हेतु कार्य कर रही हूं दिव्या सिंह के इस ट्वीट से मेरी भावनाएं आहत हुई है तथा समाज मैं लाखों लोगों की भावनाएं आहत हुई है दिग्विजय सिंह द्वारा यह ट्वीट जानबूझकर समाज में अस्थिरता पैदा करने के लिए वह हम स्वयं सेवकों की मानहानि के लिए किया गया है जब मैंने देखा वह सुना कि शशांक शेखर त्रिपाठी जो कि अधिवक्ता है के द्वारा एक मुकदमा दाखिल किया गया है तो स्वयं बयान देने में आई हूं मैं गोलवलकर जी की किताब पढ़ी हूं उसमें इस तरह का कोई भी कथन नहीं है सोनिया जैन का बयान वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार तिवारी और शशांक शेखर त्रिपाठी एडवोकेट ने कराया।

पुरानी पेंशन को लेकर 30 को जंतर-मंतर पर धरना देंगे शिक्षक

प्रखर तमकुही, कुशीनगर। पुरानी पेंशन को लेकर कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर देशभर के पदाधिकारियों के द्वारा एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन 30 जुलाई को दिल्ली के जंतर मंतर पर किया जाएगा। शिक्षक संगठन यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) के प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राठौर के निर्देश के बाद जिलाध्यक्ष कुशीनगर सुरेन्द्र कुशवाहा के नेतृत्व में शिक्षको ने बैठक आंदोलन की रणनीति पर विचार विमर्श किया । बैठक में जिलाध्यक्ष ने बताया कि पुरानी पेंशन की लड़ाई अब करो या मरो की स्थिति में है। कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा में उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यशील शिक्षकों का एकमात्र शिक्षक संगठन यूटा जुड़ा है। प्रदेश के सभी जनपदों के ब्लॉक व जनपदीय पदाधिकारी इस धरने में आवश्यक रूप से शामिल होंगे। रैली में जिला महामंत्री सुबोध शुक्ल,वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनंत सिंह , जिला कोषाध्यक्ष रामेश्वरनाथ गुप्ता ,जिला संरक्षक वीरबहादुर गोंड ,जिला उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद एवं विनोद यादव, जिला संयुक्तमंत्री राघवेन्द्र वर्मा, जिला संगठन मंत्री नियाज अहमद और मंडल संयोजक विनय प्रकाश सिसौदिया संयुक्त रूप सम्मिलित रहेंगे। उन्होंने बताया कि जंतर मंतर में होने वाले धरना प्रदर्शन में जनपद कुशीनगर से सैकड़ों शिक्षक प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने इस संबंध में ज़िले के अन्य सभी पदाधिकारियों एवं ब्लाक के साथ बैठक कर 30 जुलाई को जन्तर मंतर दिल्ली पर एक दिवसीय धरने में सम्मिलित होने हेतु पूरी तैयारी कर ली गयी है।

संक्षिप्त खबरें

सावन महोत्सव का आयोजन 27 जुलाई को, तैयारियां पूरी

महोत्सव में धूप, अचार, हैंडमेड झुमके, राखी के लगेंगे स्टाल

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में 27 जुलाई को सावन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसको लेकर तेजी से तैयारियां की जा रही हैं। कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य की प्रेरणा से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। सावन महोत्सव में विभिन्न तरह की प्रतियोगिताओं के साथ-साथ तरह- तरह के स्टॉल लगाए जाएंगे। कार्यक्रम की समन्वयक डा. जाह्नवी श्रीवास्तव के अनुसार स्टाल में लगने वाले हस्तनिर्मित वस्तुओं के निर्माण का प्रशिक्षण विश्वविद्यालय के कौशल विकास और प्रशिक्षण केंद्र और महिला अध्ययन केन्द्र पर दिया जा रहा है। हस्तनिर्मित वस्तुओं में धूप, आचार, हैंडमेड झुमके, इयररिंग्स और राखी शामिल है। इसके साथ ही 2023 में हुए नगर निकाय चुनावों में विजयी जिले की सभी महिला प्रत्याशियों को सम्मानित किया जाएगा। इन सब के साथ ही सावन महोत्सव में शिव-पार्वती झांकी, पेड़ों की बारात एवं कजरी गायन भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। विश्वविद्यालय अपनी आसपास की संस्कृति और कलाओं को जिंदा रखने के लिए ऐसे कार्यक्रम कर रही है ताकि विश्वविद्यालय अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन कर सके।

विद्यालय परिवार को भेंट किया इन्वर्टर और बैटरी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के वाराणसी जिला उपाध्यक्ष राकेश चंद्र पाठक महाकाल ने पूर्व शिक्षिका धर्मपत्नी स्वर्गीय माधुरी पाठक की स्मृति में इन्वर्टर और बैटरी वाराणसी जनपद के प्राथमिक विद्यालय को गोंद लेकर चोलापुर ब्लाक ईकाई क्षेत्र के धरसौना प्राथमिक विद्यालय परिवार को भेंट किया` उक्त सराहनीय योगदान के लिए प्रधानाध्यापक रमेश कुमार ने राकेश चंद्र पाठक महाकाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम सभी लोगों को अपने विद्यालयों और चिकित्सालयों में यथा संभव सहयोग करते रहना चाहिए।

विज्ञान में हिंदी माध्यम के पुस्तकों की जरूरत: कुलपति

प्रखर जौनपुर। तिलकधारी महाविद्यालय जौनपुर के वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ.राजकुमार एवं डॉ. अवशेष कुमार के द्वारा बी.एस-सी. तृतीय एवं प्रथम सेमेस्टर की पुस्तकें क्रमशः 'पुष्पीय पौधों की पहचान एवं सौंदर्यपरक विशेषताएं और सूक्ष्मजैविकी कवक एवम पादप रोग विज्ञान' का लेखन किया। इस पुस्तक टीडी कालेज के शिक्षकों ने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य को भेंट की। इस अवसर पर कुलपति प्रो मौर्य ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 20 के तहत विज्ञान विषयों में हिंदी माध्यम की पुस्तकें विज्ञान की समझ को बढ़ायेंगी। इस दौरान डॉ. विजय सिंह, डॉ.राहुल सिंह, डॉ.राज बहादुर यादव, डॉ. शैलेंद्र सिंह, डॉ. संजीव गंगवार, डॉ.अवधेश कुमार मौर्य इत्यादि उपस्थित रहे।

देश के राशन डीलरो को 50000 मानदेय दिया जाय : विशम्भर बासु

प्रखर दिल्ली। आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन दिल्ली के राष्ट्रीय कन्वेंशन आयोजित किया गया। इसमें देश के 3000 राशन डीलर उपस्थित थे। कन्वेंशन में राष्ट्रीय महासचिव विशम्भर बासु ने कहा कि देश के राशन डीलरो को 50000 मानदेय दिया जाय। नहीं तो 16 जंनवरी 24 को देश के 5 लाख 30 हजार राशन डीलर रामलीला मैदान में जुटकर सरकार का घेराव करेंगे।बैठक सौगत राय लोकसभा सांसद कांग्रेस लोकसभा सांसद बंगाल चटोउध्याय जी तथा उत्तर प्रदेश जौनपुर के सांसद श्याम सिंह यादव ने भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष ओमकार नाथ झा प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी प्रदेश महासचिव अशोक सिंह लक्ष्मीना रामदेव सिन्हा बिहार वरूण सिंह कार्यक्रम में संचालन राष्ट्रीय सचिव गिरीश तिवारी ने किया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं